श्रावण शुक्ल - 12 | संवत 2082 | वर्ष - 13 | अंक - 15 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | चेन्नई » बुधवार » 06-08-2025 | www.dakshinbharat.com | Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस का कटाक्ष: 'दोस्त दोस्त ना रहा...ट्रंप तेरा ऐतबार ना रहा'

6 मालदीव के साथ भारत के संबंध सुधरने के बाद क्या बदला है?

7 'रांझणा' के एआई संस्करण ने मुझे विचलित कर दिया : धनुष

फर्स्ट टेक

अमेरिका को भारत से रिश्ते खराब नहीं करने चाहिए : निक्की हेली

न्यूयॉर्क/भाषा। रिपब्लिकन पार्टी की भारतवंशी नेता निक्की हेली ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका को भारत जैसे मजबूत साझेदार के साथ अपने संबंधों को खराब नहीं करना चाहिए और चीन को छूट नहीं देनी चाहिए। हेली ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए। लेकिन चीन, जो एक विरोधी है और रूसी और ईरानी तेल का नंबर एक खरीदार है, उसे 90 दिनों के लिए शुल्क पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा, चीन को छूट नहीं देनी चाहिए और भारत जैसे मजबूत सहयोगी के साथ अपने रिश्ते खराब न करें।

पाक सेना ने नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया

मेंढर/जम्मू/भाषा। मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पहली बार संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए पाकिस्तानी सेना ने मंगलवार शाम को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारत की अग्रिम चौकियों पर अकारण गोलीबारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना ने भी इसका कड़ा जवाब दिया और मनकोट सेक्टर में दोनों पक्षों के बीच छोटे हथियारों से गोलीबारी करीब 15 मिनट तक जारी रही। अधिकारियों ने बताया कि किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि संघर्ष विराम उल्लंघन के मद्देनजर सीमा पर सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यह उल्लंघन जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों - लद्दाख और जम्मू-कश्मीर - में विभाजित करने के छह साल पूरे होने पर हुआ है। सूत्रों ने बताया कि सीमा पार से अग्रिम चौकियों पर शाम 7.40 बजे गोलीबारी शुरू हुई और भारतीय सैनिकों ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया।

ग्रेटर नोएडा के निवासी के खाते में जमा हुए 11.13 लाख करोड़ रुपए

नोएडा/भाषा। दनकौर के निवासी दिलीप उस समय हैरान रह गए जब उनके खाते में 14 अंकों की रकम जमा हो गई। हालांकि, उनकी यह खुशी ज्यादा देर तक नहीं चली। एक अगस्त को, 20 वर्षीय दिलीप को एक संदेश मिला कि उनके बैंक खाते में 11.13 लाख करोड़ रुपये जमा हुए हैं। बेरोजगार दिलीप दौड़े-दौड़े अपने बैंक गए, जहां उन्हें बताया गया कि यह अप्रत्याशित धनराशि नावी यूपीआई ऐप में हुई गड़बड़ी के कारण जमा हुई और उनके खाते में अब भी एक भी पैसा नहीं है।

06-08-2025 सूर्यास्त 6:34 बजे	07-08-2025 सूर्योदय 5:55 बजे
BSE 80,710.25 (-308.47)	NSE 24,649.55 (-73.20)
सोना 10,345 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 127,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मनमानी

इतनी भी नाराजी क्यों हैं,
सत्ता तो आनी-जानी।
ऐसी भाषा बोल रहे क्यों,
जैसे हो दुश्मन जानी।
बोलो कब ठहरा है अब तक,
बहती नदिया का पानी।
लोकतंत्र में नहीं चलेगी,
कभी किसी की मनमानी।।

भारत और फिलीपीन ने रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और नियम-आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- भारत और फिलीपीन ने नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें रणनीतिक साझेदारी की घोषणा एवं कार्यान्वयन, दोनों देशों की सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच वार्ता के लिए संदर्भ की शर्तें तथा बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण इस्तेमाल पर सहयोग शामिल है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और फिलीपीन अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की, जब दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाते हुए अपने सशस्त्र बलों के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी और फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर के बीच यहां संपन्न द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की। इससे एक दिन पहले दोनों देशों की नौसेनाओं ने फिलीपीन तट पर संयुक्त अभ्यास किया था।

मोदी ने मार्कोस की मौजूदगी में कहा, भारत और फिलीपीन अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक, हम साझा मूल्यों के तहत एकजुट हैं। हमारी दोस्ती केवल अतीत की साझेदारी नहीं है, यह भविष्य के लिए एक वादा है।

मोदी ने कहा कि फिलीपीन भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और 'महासागर' (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति) दृष्टिकोण में एक अहम साझेदार है। उन्होंने कहा, हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और नियम-आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं।

भारत पर शुल्क में भारी बढ़ोतरी करेंगे : राष्ट्रपति ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

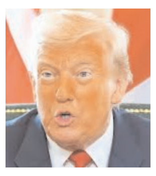

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है और वह अगले 24 घंटों में इस दक्षिण एशियाई देश पर शुल्क को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगे।

ट्रंप ने 'सीएनबीसी स्क्वॉक बॉक्स' को दिए साक्षात्कार में कहा, भारत के बारे में लोग जो कहना पसंद नहीं करते, वह यह है कि वह सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाला देश है। उसका शुल्क किसी भी देश से ज्यादा है। हम भारत के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। उन्होंने कहा, भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है। वह हमारे साथ काफी व्यापार करता है, लेकिन हम उसके साथ व्यापार नहीं करते। इसलिए हमने 25 प्रतिशत शुल्क पर समझौता किया, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा, क्योंकि वे रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। वे जंगी मशीन को ईंधन मुहैया करा रहे हैं। और अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, तो मुझे खुशी नहीं होगी। भारत के साथ व्यापार समझौते के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ 'अड़चन' यह है कि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। उन्होंने कहा, अब मैं यह कहूंगा कि भारत अबतक के सबसे ऊंचे शुल्क से आगे बढ़कर, हम पर शून्य शुल्क लगाएगा... लेकिन वे जो तेल के साथ कर रहे हैं, उसको देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में धराली में

बादल फटने से खीर गंगा नदी में आई बाढ़ में चार लोगों की मौत, कई लापता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उत्तरकाशी/भाषा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में धराली में बादल फटने के कारण खीर गंगा नदी में बाढ़ आने से चार व्यक्तियों की मृत्यु हो गई तथा कई मकान और होटल तबाह हो गए।

उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने घटनास्थल के लिए रवाना होने से पहले चार व्यक्तियों की मृत्यु की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि नुकसान की सही जानकारी कुछ देर बाद ही सामने आ पाएगी।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धराली में हुए भारी नुकसान पर दुख जताया और प्रभावितों के प्रति संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि सेना, राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) तथा जिला प्रशासन की टीम राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हैं। धामी ने कहा कि वह निरंतर वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क में हैं और स्थिति की नियमित जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

धराली गंगोत्री धाम से करीब 20 किलोमीटर पहले पड़ता है और यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। एक स्थानीय प्रत्यक्षदर्शी राजेश पंवार ने बताया कि खीर गंगा के जल ग्रहण क्षेत्र के उपर बादल फटा जिसकी वजह से नदी में विनाशकारी बाढ़ आ गई।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने और बढ़ा

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने मंगलवार को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने और बढ़ाने के प्रावधान वाले सांविधिक संकल्प को मंजूरी दे दी।

राज्यसभा में आज विपक्षी सदस्यों के विभिन्न मुद्दों पर हंगामे के बीच इस संकल्प को ध्वनिमत से पारित किया गया। लोकसभा इसे पहले ही मंजूरी दे चुकी है।

इससे पहले गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन से संबंधित सांविधिक संकल्प को चर्चा एवं पारित करने के लिए उच्च सदन में पेश किया जिसके तहत राज्य में 13 फरवरी 2025 को संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत लागू राष्ट्रपति शासन को 13 अगस्त से छह और महीने के लिए बढ़ाया जाना है। संकल्प में कहा गया है, यह सभा राष्ट्रपति द्वारा मणिपुर के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 356 के अधीन जारी दिनांक 13 फरवरी, 2025 की उद्घोषणा को दिनांक 13 अगस्त, 2025 से आगे छह माह के लिए जारी रखने का अनुमोदन करती है। उच्च सदन में उपसभापति हरिवंश ने चर्चा के लिए कई सदस्यों का नाम पुकारा किंतु वाईएसआर कांग्रेस के सुभाष चंद्र बोस पिल्लै और बीजू जनता दल के मुजीबुल्ला खान के अलावा किसी अन्य विपक्षी सदस्य ने चर्चा में भाग नहीं लिया।

हंगामे और शोरशराबे के कारण पिल्लै और खान की बात सुनी नहीं जा सकी। यह दोनों सदस्य जब बोल रहे थे तो कई विपक्षी सदस्य उनके आसपास खड़े होकर नारेबाजी कर रहे थे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया दावा

भारत में आतंकवाद, धर्मांतरण के लिए होता है 'विदेशी हाथों' में जाने वाले मुनाफे का इस्तेमाल

- 'वोकल फॉर लोकल' अपनाने का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाने का आह्वान करते हुए मंगलवार को दावा किया कि दूसरे देशों में निर्मित सामान खरीदने पर 'विदेशी हाथों' में जाने वाले मुनाफे का इस्तेमाल भारत में आतंकवाद, नक्सलवाद, धर्मांतरण और लव जिहाद फैलाने के लिए किया जाता है।

अलीगढ़ में 958 करोड़ रुपए की 186 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का पुरजोर आह्वान किया और कहा, हमारा पैसा अगर हमारे ही कारीगरों और हस्तशिल्पियों के पास जाएगा तो यह विकास और समृद्धि का आधार बनेगा लेकिन अगर हमारा ही पैसा विदेशी हाथों में जाएगा तो वह मुनाफा आतंकवाद के रूप में, धर्मांतरण के रूप में, विस्फोट के रूप में भारत को अस्थिर करने के लिए देश के खिलाफ ही इस्तेमाल किया जाएगा। इसीलिए स्वदेशी आज की आवश्यकता है।

अमेरिका द्वारा भारत पर भारी शुल्क लगाने के ऐलान के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पिछली दो अगस्त को वाराणसी में स्वदेशी अपनाने के आह्वान के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बयान दिया है। आदित्यनाथ ने कहा, याद रखना, वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में जब कोई पर्व और त्योहार आता था तो उससे पहले प्रदेश में चीन के सामान छा जाया करते थे लेकिन 2018 के बाद जब 'एक जिला एक उत्पाद' योजना को हम लोगों ने लागू किया तो हमारे कारीगरों ने बाजार की मांग के अनुसार उत्पाद बनाने शुरू किए।

न्यायापालिका तय नहीं करेगी कि कौन सच्चा भारतीय है: प्रियंका

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उच्चतम न्यायालय द्वारा राहुल गांधी के सेना से संबंधित एक बयान को लेकर नाखुशी जताए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को कहा कि कोई न्यायाधीश अथवा न्यायपालिका यह तय नहीं कर सकते कि कौन सच्चा भारतीय है। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होने के कारण राहुल गांधी का यह कर्तव्य है कि वह सरकार से सवाल पूछें। प्रियंका गांधी ने यह भी कहा कि उनके भाई सेना का बहुत सम्मान करते हैं, लेकिन उनकी टिप्पणी को गलत ढंग से उद्धृत किया गया।

बिरला ने विपक्षी सांसदों से कहा:

आप जनता की भावनाओं के अनुरूप कार्य नहीं कर रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को सदन में नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वे संसद की गरिमा को गिरा रहे हैं तथा देश की जनता की भावनाओं के अनुरूप कार्य नहीं कर रहे हैं। उन्होंने सदन में प्रश्नकाल बाधित होने पर यह टिप्पणी की।

बिरला ने यह भी कहा कि विपक्ष के सदस्य योजनाबद्ध तरीके से सदन में गतिरोध पैदा कर रहे हैं जो लोकतंत्र के लिए उचित नहीं हैं।

बिरला ने जैसे ही प्रश्नकाल शुरू कराया, तभी विपक्षी दलों के सदस्य एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा की मांग करने लगे। विपक्ष सदन में बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विशेष चर्चा की मांग कर रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष ने नारेबाजी कर रहे सदस्यों से कहा, आप सदन को नियोजित तरीके से बाधित करना चाहते हैं। मैंने प्रयास किया कि सदन चले। लेकिन कई बार आग्रह करने के बावजूद आप संसद की गरिमा और मर्यादा को गिरा रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का सदस्य होने के बावजूद आपका व्यवहार और आचरण संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है।

उनका कहना था कि सदस्यों के अपनी सीट पर बैठने के बाद ही सदन की कार्यवाही आगे बढ़ेगी।

बिरला ने कहा, योजनाबद्ध तरीके से सदन स्थगित कराना लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है।

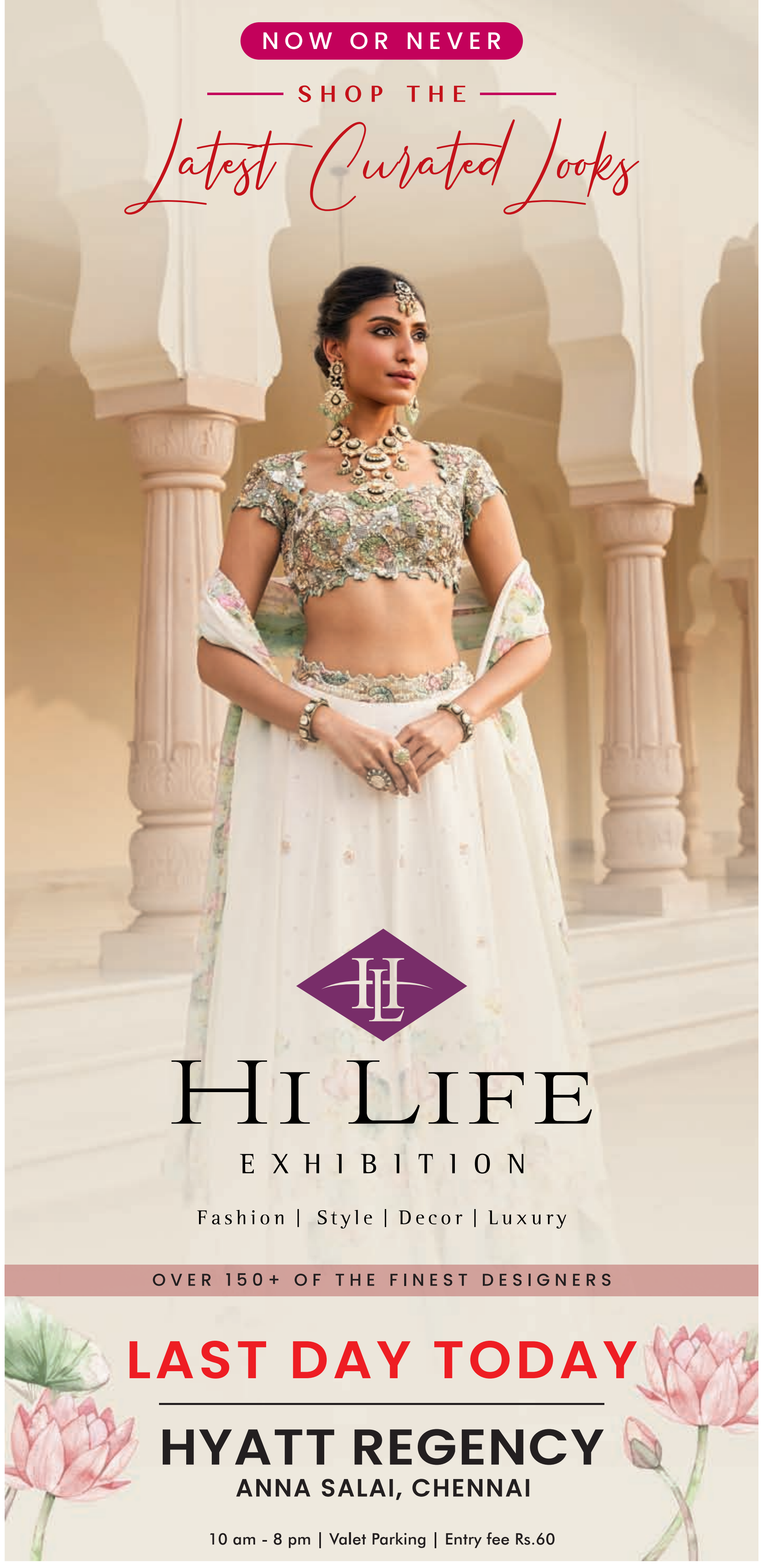

संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ हैं राहुल गांधी : उच्चतम न्यायालय की आलोचना के बाद भाजपा ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध होने का आरोप लगाया और 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान सेना पर की गई उनकी टिप्पणी की भी आलोचना की।

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि उच्चतम न्यायालय की 'फटकार' राहुल गांधी के लिए एक गंभीर चेतावनी होनी चाहिए।

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दिसंबर 2022 में हुई 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान सेना पर की गई टिप्पणी को लेकर लखनऊ की एक अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ चल रही कार्यवाही पर रोक लगा दी।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने कांग्रेस नेता की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि अगर वह 'सच्चे भारतीय' हैं, तो ऐसा कुछ नहीं कहते।

उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधान ने

कहा, जो लोग संविधान को हाथ में लेकर देश भर में घूम रहे हैं, वे इसके सबसे बड़े उल्लंघनकर्ता हैं।

उन्होंने संसद परिसर में 'पीटीआई वीडियो' से कहा, अगर कांग्रेस नेताओं और उनके पूरे कुनबे में संविधान के प्रति जरा भी सम्मान होता, तो उच्चतम न्यायालय की इस तरह की टिप्पणी की जरूरत नहीं पड़ती... वे संवैधानिक मूल्यों के सबसे बड़े उल्लंघनकर्ता हैं। अदालत को पूछना पड़ा: क्या आप भारतीय भी हैं?''

प्रसाद ने राहुल से एक राष्ट्रीय नेता के रूप में अधिक जिम्मेदारी से पेश आने को कहा। उन्होंने कहा, आप विपक्ष के नेता हैं। थोड़ी परिपक्वता दिखाएं।

पूर्व कानून मंत्री ने कहा, उच्चतम न्यायालय द्वारा उन्हें यह कहने से बड़ा संदेश और क्या हो सकता है कि एक भारतीय को इस तरह नहीं बोलना चाहिए।

प्रसाद ने कहा कि विनायक दामोदर सावरकर पर गांधी की टिप्पणी भी इससे अलग नहीं थी।

उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, सावरकर के बारे में उनकी टिप्पणी याद कीजिए? अदालत ने कहा था कि महान स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में ऐसी बातें नहीं कही जानी चाहिए। राफेल पर, उन्होंने कहा था 'चौकीदार चोर है' और उच्चतम न्यायालय ने अवमानना की पुष्टि की, और फिर उन्होंने माफी मांगी। अब यह तीन बार हो गया है। अगर वह अब भी नहीं सीखेंगे, तो हम क्या कर सकते हैं?''

इस वर्ष अब तक विमान के इंजन बंद होने की कुल छह घटनाओं की खबर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को बताया कि इस वर्ष अब तक विमान के इंजन बंद होने की कुल छह घटनाएं और 'मे डे कॉल' की तीन घटनाएं दर्ज की गई हैं।

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह भी सूचित किया इंडिगो और स्पाइसजेट के विमानों में इंजन बंद होने की दो-दो घटनाएं हुईं, जबकि एअर इंडिया और एलायंस एयर में से प्रत्येक के साथ एक-एक ऐसी घटना दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि 'मे डे कॉल' की तीन घटनाओं में शामिल एक घटना 12 जून को अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हुई एअर इंडिया की लंदन गैटविक जा रही उड़ान एआई-171 की है। इसके अलावा, इंडिगो और एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानों के साथ भी 'मे डे कॉल' की एक-एक घटना हुई।

'मे डे कॉल' के संदर्भ में मोहोल ने बताया कि यह कॉल पायलट द्वारा तीन बार दोहराई जाती है, ताकि जमीनी हवाई यातायात नियंत्रक को यह स्पष्ट रूप से सूचित किया जा सके कि विमान एक जानलेवा आपात स्थिति में है और तत्काल मदद की आवश्यकता है। उन्होंने बताया जनवरी से जुलाई, 2025 तक इंजन बंद होने की कुल छह घटनाएं और मे डे कॉल की तीन घटनाएं घटने की खबर है।

एक अन्य प्रश्न के लिखित उत्तर में मंत्री ने बताया कि 12 जुलाई को प्रकाशित विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट में 12 जून को हुई एअर इंडिया की दुर्घटना को लेकर कोई निष्कर्ष नहीं निकाला गया है और जांच अब भी जारी है।

वर्चुअल डिजिटल परिसंपत्ति : वित्त वर्ष 23, 24 में 705 करोड़ का आयकर जमा किया गया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2023-24 में वर्चुअल डिजिटल परिसंपत्ति (वीडीए) से हुई आय पर कुल 705 करोड़ रुपए का आयकर जमा किया गया। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह भी बताया कि इसके अतिरिक्त, आयकर विभाग की तलाशी और सर्वेक्षण अभियानों के दौरान वीडीए लेनदेन से संबंधित 630 करोड़ रुपए की अघोषित आय का भी पता चला।

चौधरी ने बताया कि सीबीडीटी ने हाल ही में 'एनयूडीजीई' (नॉन इन्ट्रूसिव यूजेज ऑफ डेटा टू गाइड एंड इनेबल) अभियान शुरू किया है, जिसके तहत ऐसे 44,057 करदाताओं को ईमेल और संदेश भेजे गए हैं, जिन्होंने वीडीए में निवेश और ट्रेडिंग की लेकिन आयकर रिटर्न के दौरान इसका कोई विवरण नहीं दिया। आयकर अधिनियम की धारा 115बीबीएच के तहत वीडीए से होने वाली आय पर कर 2022-23 वित्तीय वर्ष से लागू है। चौधरी ने बताया कि वीडीए लेनदेन की सही रिपोर्टिंग और कर संग्रह सुनिश्चित करने के लिए सीबीडीटी विभिन्न पहल कर रहा है। इसके तहत ''वर्चुअल संपत्ति सेवा प्रदाता'' (वर्चुअल एसेट सर्विस प्रोवाइडर्स) द्वारा दाखिल टीडीएस रिटर्न और करदाताओं द्वारा दाखिल आईटीआर की जांच की जाती है।

केंद्र ने सीआईएसएफ में कर्मियों की स्वीकृत संख्या बढ़ाकर 2.20 लाख की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या में 20,000 की वृद्धि की है, ताकि उन्हें विमानन और बंदरगाह जैसे उभरते क्षेत्रों के अलावा नक्सली हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों में मार्च 2026 के बाद स्थापित किए जाने वाले औद्योगिक केंद्रों की सुरक्षा के लिए तैनात किया जा सके। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि 1969 में गठित सीआईएसएफ में कर्मियों की वास्तविक संख्या 2024 तक 1,62,000 थी। 2024 में सीआईएसएफ में कुल 13,230 कर्मियों की नियुक्ति की गई और 2025 के अंत तक और 24,098 कर्मियों की भर्ती की प्रक्रिया जारी है।

अधिकारियों के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल ही में एक पत्र लिखकर बल की अधिकृत सीमा को मौजूदा दो लाख कर्मियों से बढ़ाकर 2.20 लाख करने की अधिसूचना जारी की है। 2.20 लाख कर्मियों की स्वीकृत संख्या पर पहुंचने तक सीआईएसएफ में हर साल 14,000 कर्मियों की नियुक्ति किए जाने की उम्मीद है। अधिकारियों के अनुसार, इस वृद्धि से हवाई अड्डों, बंदरगाहों, ताप विद्युत संयंत्रों, परमाणु प्रतिष्ठानों, पनबिजली संयंत्रों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सीआईएसएफ की तैनाती बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि नई मानवशक्ति का इस्तेमाल खास तौर पर नए औद्योगिक केंद्रों की सुरक्षा के लिए किया जाएगा, जिन्हें मार्च 2026 तक देश से वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने की केंद्र सरकार की घोषणा के मद्देनजर नक्सली हिंसा से प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित किए जाने की संभावना है।

सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ नई लक्ष्मण रेखा खींच दी है: जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ नई रेखा खींच दी है और अब आतंकवादियों तथा उनके प्रायोजकों को समान सजा दी जाएगी।

आतंकवाद पीड़ितों को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा, भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अगर आतंकवाद देश की नीति है, तो इसका सीधा और कड़ा जवाब दिया जाएगा।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आतंकवाद के खिलाफ नई लक्ष्मण रेखा खींच दी है और अब आतंकवादियों तथा उनके प्रायोजकों को समान सजा दी जाएगी।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकवाद पीड़ितों के 158 करीबी संबंधियों को नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपे।

सिन्हा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, दशकों से जो ज़ख्म थे, वे अब भर रहे हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा मारे गए

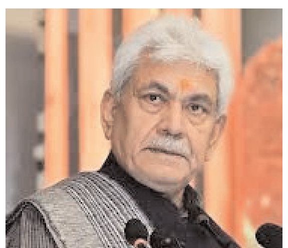

कश्मीरी नागरिकों के 158 परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। आज के इस ऐतिहासिक आयोजन ने उन परिवारों को एक राहत प्रदान की है, जो वर्षों से चुपचाप आघात सह रहे थे। उन्होंने कहा कि तीन दशक से अधिक समय से आतंकवादी देश पाकिस्तान अपने छद्म आतंकवादी संगठनों के माध्यम से निर्दोषों का खून बहा रहा है।

सिन्हा ने कहा, आतंकवाद के शिकार परिवारों के लिए न्याय और मरहम का लंबा इंतजार खत्म हो गया है। वे पाकिस्तानी आतंकवादियों की भूमिका और जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकी तंत्र का खुलासा करने के लिए सामने आए हैं। शहीद हुए नागरिकों को श्रद्धांजलि और उनके प्रियजनों के साहस और दृढ़ता को सलाम।

आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2025 में 465 सर्वे किए, 30,444 करोड़ रु. की अघोषित आय का पता लगाया

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 465 सर्वे किए, जिनके परिणामस्वरूप 30,444 करोड़ की अघोषित आय का पता चला है।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जब भी प्रत्यक्ष कर चोरी से संबंधित कोई विश्वसनीय सूचना विभाग के संज्ञान में आती है, तो वह उचित कार्रवाई करता है, जिसमें सर्वेक्षण, तलाशी व जब्ती अभियान तथा मूल्यांकन शामिल हैं, ताकि अघोषित आय को कर के दायरे में लाया जा सके। मंत्री ने बताया, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 465 सर्वेक्षण किए गए, जिनसे 30,444 करोड़ की अघोषित आय का पता चला। उन्होंने बताया कि इससे पिछले दो वर्षों में, वित्त वर्ष 2023-24 में विभाग ने 737 सर्वे किए थे और 37,622 करोड़ की अघोषित आय का पता लगाया था।

सरकार ने स्वदेशी पोत निर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई नीतिगत कदम उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने स्वदेशी पोत निर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई नीतिगत कदम उठाए हैं जिनके तहत वित्तीय सहायता नीति, पर्यावरण-अनुकूल पहल और सुरक्षा उपायों में व्यापक संशोधन किए गए हैं।

पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने राज्यसभा को मंगलवार को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वदेशी पोत निर्माण को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए नीतिगत कदमों के तहत 9 जनवरी, 2025 को जहाज निर्माण वित्तीय सहायता नीति (एसबीएफएपी) के दिशा-निर्देशों में संशोधन किया गया ताकि जहाज निर्माण गतिविधियों में अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिल

सके। सोनोवाल ने बताया कि इसके अलावा, नवंबर 2021 में सरकार ने प्रमुख बंदरगाहों द्वारा 'टग' की खरीद के लिए पांच प्रकार की मानक 'टग' डिज़ाइन जारी की थीं, जिन्हें भारतीय शिपयार्ड में ही निर्मित करना है। स्वदेशी जहाज निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 20 सितंबर, 2023 को 'राइट ऑफ फर्स्ट रिफ्यूज़ल' (आरओएफआर) के नियमों को संशोधित किया गया, जिसमें भारत में निर्मित, भारतीय ध्वजयुक्त और भारतीय स्वामित्व वाले जहाजों को प्राथमिकता दी जाती है।

तरनतारन फर्जी मुठभेड़ के पीड़ितों के परिवारों को 32 साल बाद न्याय मिला

चंडीगढ़/भाषा। तरनतारन में वर्ष 1993 में हुए एक फर्जी मुठभेड़ में मारे गए सात पुलिस अधिकारियों में निशान सिंह के पिता भी थे। निशान सिंह का जन्म पिता की हत्या के दो महीने बाद हुआ था।

निशांत अब 32 वर्ष के हो गए हैं और वह याद करते हैं कि कैसे उनकी मां ने कानूनी लड़ाई में वर्षों तक कष्ट सहे और न्याय पाने में तीन दशक लग गए। निशान ने बताया कि उनके विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) पिता शिंदर सिंह की तरनतारन जिले में हत्या के बाद उनकी मां नरिंदर कौर ने उन्हें पालने के लिए बर्तन धोए और खेतिहर मजदूर के रूप में काम किया।

परिवार अब मोहाली की सीबीआई अदालत के फैसले से संतुष्ट है, जिसने सोमवार को तरनतारन जिले में 1993 में सात लोगों की फर्जी मुठभेड़ में हुई हत्या के मामले में पांच पूर्व पुलिस अधिकारियों को कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

सीबीआई के विशेष न्यायाधीश बलजिंदर सिंह सरा की अदालत ने एक अगस्त को उन्हें भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत आपराधिक साजिश, हत्या और सबूत नष्ट करने का दोषी पाया था।

'लोको पायलट के ड्यूटी घंटों में हेराफेरी के लिए क्रू कंट्रोलर होंगे जिम्मेदार'

नई दिल्ली/भाषा। रेलवे में लोको पायलट से अधिक काम लेने और इसे छिपाने के लिए उनके काम के घंटों में हेराफेरी रोकने के लिए पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर)ने पहल की है और अपने सभी पांच मंडलों को 'ऑनलाइन क्रू मैनेजमेंट सिस्टम' में ड्यूटी के घंटों की गलत जानकारी दर्ज करने को लेकर चेतावनी दी है।

ईसीआर जोन के प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर ने चार अगस्त को सोनपुर, दानापुर, समस्तीपुर, धनबाद और पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडलों को जारी एक परिपत्र में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे क्रू मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएस) में लोको पायलट के ड्यूटी शुरू करने और खत्म करने की जानकारी दर्ज करते समय काम के घंटों में छेड़छाड़ नहीं करें। परिपत्र में कहा गया है, यदि कोई लॉबी ऐसा कर रही है तो उसे तुरंत रोका जाना चाहिए।

कबूतरखानों को अचानक बंद करना उचित नहीं: मुख्यमंत्री फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि शहर में कबूतरखानों को अचानक बंद करना उचित नहीं है और उन्होंने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) से पक्षियों को नियंत्रित तरीके से दाना दिया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री का यह बयान स्वास्थ्य संबंधी खतरों को देखते हुए मुंबई में पारंपरिक कबूतरखानों को बंद करने की बढ़ती मांग के बीच आया है।

मुंबई में कबूतरखानों के मुद्दे पर एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए फडणवीस ने पक्षी जीवन की रक्षा, पर्यावरण की सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के महत्व का हवाला देते हुए सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि कबूतरों को दाना डालने वाले क्षेत्रों के संबंध में लिए गए किसी भी निर्णय के साथ पक्षियों की भुखमरी को रोकने के लिए वैकल्पिक और सहानुभूतिपूर्ण समाधान भी शामिल किए जाने चाहिए। बीएमसी ने कहा कि उसने 13 जुलाई से तीन अगस्त के बीच शहर भर के विभिन्न कबूतरखानों में कबूतरों को दाना डालने वाले 142 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की और 68,700 रु.

का जुर्माना वसूला है। मुख्यमंत्री ने आधिकारिक बयान में कहा, कबूतरों की जान बचाना, पर्यावरण की रक्षा करना और नागरिकों का स्वास्थ्य सुरक्षित रखना – ये तीनों ही महत्वपूर्ण हैं। जब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो जाती तब तक बीएमसी को कबूतरों को नियमित दाने की आपूर्ति करना जारी रखना होगा। उन्होंने एक औपचारिक नीति बनाए जाने के निर्देश दिए जिसमें यह निर्दिष्ट किया जाए कि स्वास्थ्य संबंधी खतरों से बचने के लिए कब और कहां कबूतरों को नियमित रूप से दाना दिया जा सकता है। उन्होंने कबूतरों के अपशिष्ट के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों तथा सफाई और निपटान के लिए तकनीकी समाधान खोजने सहित इसके उचित प्रबंधन पर, विशेषज्ञों की भागीदारी के साथ वैज्ञानिक अध्ययन की आवश्यकता पर जोर दिया।

जम्मू कश्मीर : कुलगाम में आतंकवाद विरोधी अभियान पांचवें दिन भी जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान मंगलवार को पांचवें दिन भी जारी रहा तथा सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में शामिल आतंकवादियों पर अपना शिकंजा कस दिया है। अधिकारियों ने अखल इलाके में कड़ी घेराबंदी के बाद मंगलवार को कुछ ग्रामीणों को वहां से निकाला, जिन्हें चिकित्सा सहायता की जरूरत थी। एक अधिकारी ने बताया, मुठभेड़ पांचवें दिन भी जारी है और रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर सहित सभी साधनों का उपयोग कर रहे हैं।

आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने दक्षिण कश्मीर जिले के अखल के वन क्षेत्र में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था, जिसके बाद शुक्रवार को दोनों के बीच मुठभेड़ शुरु हुई थी, जिसमें दो आतंकवादी मारे गए थे जबकि कम से कम दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार शाम दोनों पक्षों के बीच शुरुआती गोलीबारी के बाद रात भर के लिए अभियान रोक दिया गया। घेराबंदी मज़बूत की गई और अतिरिक्त सुरक्षा बल इलाके में भेजे गए। शनिवार सुबह गोलीबारी फिर से शुरू हो गई और इस दौरान दो आतंकवादी मारे गए। उन्होंने बताया कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि उनका संबंध किस समूह से था। उन्होंने बताया कि अभियान अब भी जारी है।

पांच अगस्त पूरे देश के लिए 'काला दिन': महबूबा मुफ्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि पांच अगस्त पूरे देश के लिए एक काला दिन है और पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य का विशेष दर्जा समाप्त किया जाना देश के संवैधानिक मूल्यों पर एक व्यापक हमले की शुरुआत थी।

पीडीपी ने यह भी दावा किया कि पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को एकपक्षीय और असंवैधानिक तरीके से निरस्त किए जाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन से पार्टी की अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं को पीडीपी कार्यालय से बाहर निकलने से रोका गया। महबूबा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पांच अगस्त न केवल जम्मू कश्मीर के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक काला दिन है। इस दिन, संविधान को विदेशी ताकतों ने नहीं, बल्कि हमारे लोकतंत्र के केंद्र में क्रूर बहुमत द्वारा विकृत किया गया था। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को असंवैधानिक तरीके से समाप्त किया जाना अंत नहीं था, बल्कि यह देश के संवैधानिक मूल्यों पर व्यापक हमले की शुरुआत थी। उन्होंने आरोप लगाया, जम्मू कश्मीर को एक प्रयोगशाला में बदल दिया गया, इसके लोगों को अधिकारहीन बना दिया गया, उनकी जमीनें छीन ली गईं, उनकी जनसांख्यिकी को निशाना बनाया गया। जिसे कई लोग स्थानीय मुद्दा मानते थे, वह सभी के लिए एक चेतावनी थी। उन्होंने कहा, आज यह चेतावनी पूरे देश में साकार हो रही है।

बिहार में (एसआईआर) लाखों लोगों के मताधिकार से वंचित होने का खतरा है। तमिलनाडु से लेकर कश्मीर तक गैर-स्थानीय मतदाताओं को बड़े पैमाने पर जोड़ा जा रहा है, जिससे जनसांख्यिकीय फेरबदल और चुनावी विकृतियों का रास्ता साफ हो रहा है। उन्होंने आगे कहा, अगर भारत अब नहीं जागा, तो जम्मू-कश्मीर में जो शुरू हुआ था, वह जल्द ही पूरे देश को प्रतिबिंबित करेगा।

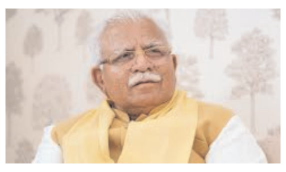

भरोसेमंद बिजली के लिए ऊर्जा भंडारण के साथ नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाए : मनोहर लाल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि भरोसेमंद बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि विद्युत मंत्रालय की मंत्री की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय परामर्श समिति की बैठक में उन्होंने यह बात कही।

बैठक में लाल ने कहा कि भारत 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की उत्सर्जन तीव्रता को 2005 के स्तर से 45 प्रतिशत तक कम करने और 2030 तक स्वच्छ ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों से 50 प्रतिशत स्थापित क्षमता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भरोसेमंद बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के जरिये उपलब्ध अतिरिक्त ऊर्जा के भंडारण से उसका उपयोग दिन के अलावा अन्य समय पर हो सकेगा।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे।

मलिक के निजी स्टाफ ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उनका अंतिम संस्कार बुधवार अपराह्न चार बजे लोदी रोड स्थित श्मशान घाट में होगा। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहने के अलावा गोवा, बिहार, मेघालय और ओडिशा के राज्यपाल के पदों पर रहे मलिक का अपराह्न एक बजकर 12 मिनट पर यहां राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में निधन हो गया। उनके स्टाफ ने बताया कि वह लंबे समय से अस्पताल की गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में थे और उनका विभिन्न बीमारियों का इलाज किया जा रहा था। आरएमएल अधिकारियों ने एक बयान में कहा, गहरे दुख के साथ, हम सत्यपाल मलिक के निधन की पुष्टि करते हैं। उनका हमारे अस्पताल की गहन देखभाल इकाई में इलाज किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि मलिक मधुमेह, गुर्दे की बीमारी, उच्च रक्तचाप और मोटापा एवं नींद में रुकावट जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से लंबे समय से जूझ रहे थे। जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के तौर पर मलिक के कार्यकाल के दौरान ही पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया था। संयोग से, उन्होंने

केंद्र के इस कदम के छह साल पूरे होने के दिन अंतिम सांस ली।

मलिक ने यह आरोप लगाकर विवाद पैदा कर दिया था कि उन्हें जम्मू-कश्मीर में दो प्रमुख परियोजनाओं की फाइल को मंजूरी देने के लिए रिश्वत की पेशकश की गई थी। उन्होंने किसानों और पुलवामा आतंकवादी हमले सहित अन्य मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर सवाल उठाए थे। मलिक द्वारा उठाए गए दो मुद्दों की जांच कर रहे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इस साल मई में 2,200 करोड़ रुपए की किरू जलविद्युत परियोजना से संबंधित एक मामले में उनके खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया था। अस्पताल के बयान के अनुसार, मलिक को 11 मई को दोपहर 12 बजकर चार मिनट पर जटिल मूत्रमार्ग संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद उन्हें मूत्रमार्ग संक्रमण, अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान हुए निमोनिया और कई अंगों के काम न करने के कारण 'रिफ्रैक्टरी सेप्टिक शॉक' हो गया। 'सेप्टिक शॉक' ऐसी खतरनाक स्थिति होती है, जिसमें मरीज के कई अंग एक साथ क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। बयान में कहा गया, वेंटिलेटर सपोर्ट और गहन देखभाल प्रबंधन एवं कई एंटीबायोटिक दवाओं समेत सभी उचित एवं गहन चिकित्सकीय मदद दिए जाने के बावजूद मलिक की हालत लगातार बिगड़ती रही। बयान में कहा गया, मलिक को गुर्दे संबंधी गंभीर रोग के साथ 'डिसेमिनेटेड इंट्रावैस्कुलर कोएगुलेशन' (छोटी नसों में खून के छोटे-छोटे थक्के बनना) की समस्या भी हो गई थी, जिसके कारण उन्हें कई बार 'हेमोडायलिसिस' कराना पड़ा।

केरल में भारी बारिश के कारण जलाशयों में जलस्तर बढ़ा, तीन जिलों में रेड अलर्ट जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के कई हिस्सों में सोमवार रातभर हुई भारी बारिश के कारण सड़कों एवं निचले इलाकों में जलभराव हो गया तथा मंगलवार को राज्य की कई नदियों और बांधों का जलस्तर बढ़ गया।

राज्य में भारी बारिश जारी रहने के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एर्नाकुलम, इडुक्की और त्रिशूर जिलों में आज यानी मंगलवार के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है।

इसके अलावा, पांच अन्य जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' और शेष छह जिलों में मंगलवार के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है।

'रेड अलर्ट' 24 घंटे में 20 सेंटीमीटर से अधिक की अत्यधिक भारी बारिश को दर्शाता है जबकि 'ओरेंज अलर्ट' का अर्थ 11 सेमी से 20 सेमी तक की बहुत भारी बारिश और 'येलो अलर्ट' का अर्थ छह सेमी से 11 सेमी के बीच भारी वर्षा है।

पथनमथिट्टा, इडुक्की, त्रिशूर, पलक्कड़ और वायनाड जिलों में बिजली उत्पादन और सिंचाई सेवाओं के लिए संचालित कई बांध जल स्तर में वृद्धि के कारण 'अलर्ट के तीसरे चरण' पर हैं।

भारी बारिश के बीच कोच्चि में एक टैक्सी सड़क के किनारे एक नहर में गिर गई।

पुलिस ने बताया कि चालक 'नेविगेशन' (रास्ता बताने वाले) उपकरण का उपयोग कर रहा था और वह अत्यधिक बारिश के कारण चारों ओर पानी भरा होने के कारण सड़क के किनारे नहर को देख नहीं सका।

तमिलनाडु में भवानी नदी के किनारे रहने वाले लोगों के लिए बाढ़ की चेतावनी जारी

इरोड (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और राजस्व विभाग ने भवानी नदी के किनारे रहने वाले लोगों को मंगलवार सुबह बाढ़ की चेतावनी जारी की।

अधिकारियों ने बताया कि कोयंबटूर और नीलगिरि जिलों में विभिन्न बांधों से पानी छोड़े जाने तथा बारिश के कारण 'लोअर भवानी' परियोजना (एलबीपी) जलाशय का जलस्तर 102 फुट तक पहुंचने के बाद वहां से भारी मात्रा में अतिरिक्त पानी छोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि बांध में मंगलवार सुबह आठ बजे तक 6,937 क्यूसेक (घन फुट प्रति सेकंड) पानी आ रहा था, जलस्तर 101.71 फुट (पूर्ण स्तर 105 फुट के मुकाबले) था और भंडारण 30.08 टीएमसी (हजार मिलियन क्यूबिक) फुट (पूर्ण स्तर 32.8 के मुकाबले) था। अधिकारियों ने बताया कि पानी का प्रवाह और भंडारण अचानक बढ़ सकता है, जिससे पानी को छोड़ना आवश्यक हो जाएगा। उन्होंने भवानीसागर, सत्यमंगलम, गोबीचेट्टीपलयम और भवानी क्षेत्रों में भवानी नदी के तट पर रहने वाले लोगों से आग्रह किया कि वे किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए अपने मवेशियों और सामान के साथ सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं।

अधिकारियों ने मंगलवार सुबह आठ बजे तक बांध से 2,800 क्यूसेक पानी छोड़ा।

केरल में भारी बारिश के बाद नदियां उफान पर, चार जिलों में 'रेड अलर्ट' जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में सोमवार एवं मंगलवार की दरमियानी रात हुई भारी बारिश के कारण सड़कों और निचले इलाकों में व्यापक जलभराव हो गया, जिससे कई जिलों में नदियां और बांध उफान पर आ गए। मौसम विभाग ने चार जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए बेहद भारी बारिश की चेतावनी दी है। एर्णाकुलम, त्रिशूर और पलक्कड़ के कुछ हिस्सों में लगातार बारिश के कारण सड़कों और घरों में पानी भर गया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस तीव्र मौसम के लिए दक्षिणी केरल में चक्रवाती परिसंचरण और बंगाल की खाड़ी से तमिलनाडु तट तक फैली ऊपरी स्तर की प्रणालियों को जिम्मेदार ठहराया है। परिणामस्वरूप, राज्य में अगले कुछ दिनों में ''भारी वर्षा और तेज हवाएं'' चलने की संभावना है। एर्णाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर और मलप्पुरम जिलों के लिए 24 घंटे में 20 सेंटीमीटर से अधिक ''अत्यधिक भारी'' बारिश का संकेत देते हुए 'रेड अलर्ट' जारी किया गया। आईएमडी ने तीन अतिरिक्त जिलों में चेतावनी के स्तर को 'येलो' से बढ़ाकर 'ऑरेंज' कर दिया है, जिससे ऑरेंज अलर्ट (11-20 सेमी बारिश) वाले जिलों की कुल संख्या आठ हो गई है। शेष दो जिले 'येलो' अलर्ट (6-11 सेमी बारिश) के अंतर्गत हैं।

पथनमथिट्टा, इडुक्की, त्रिशूर, पलक्कड़ और वायनाड में बिजली उत्पादन और सिंचाई के लिए उपयोग किए जाने वाले कई बांध वर्तमान में बढ़ते जल स्तर के कारण 'अलर्ट के तीसरे चरण' पर हैं। कोच्चि में एक निजी टैक्सी भारी बारिश के कारण जलमग्न सड़क से सटी एक खुली नहर में गिर गई। पुलिस ने बताया कि नेविगेशन ऐप इस्तेमाल कर रहा चालक नहर को देख नहीं पाया, क्योंकि सड़क पूरी तरह से पानी से भरी हुई थी।

इस बीच, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र ने मंगलवार रात 8:30 बजे तक तिरुवनंतपुरम और कोल्लम तटों पर 1.7 से 1.8 मीटर ऊंची समुद्री लहरें उठने की चेतावनी जारी की है। मछुआरों और तटीय निवासियों से सतर्क रहने का आग्रह किया गया है।

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने असुरक्षित स्कूल, अस्पताल भवनों पर रिपोर्ट मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मंगलवार को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को उन सभी स्कूल और अस्पताल भवनों का विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जिनकी मरम्मत या उन्हें ध्वस्त किए जाने की आवश्यकता है।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने यहां आयोजित एक उच्च-स्तरीय बैठक में अधिकारियों को दो सप्ताह के भीतर जानकारी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों के भवनों के सुरक्षा निरीक्षण के भी आदेश दिए।

ये निर्देश पिछले महीने हुई कई घटनाओं के बाद जारी किए गए हैं, जिनमें कोट्टायम मेडिकल कॉलेज के शौचालय परिसर का एक हिस्सा ढहने से 52 वर्षीय महिला की मौत और कोल्लम जिले के एक सहायता प्राप्त स्कूल में 13 वर्षीय छात्र की बिजली का करंट लगने से मौत शामिल है।

इसके अलावा, अलप्पुझा जिले के कार्तिकप्पल्ली स्थित एक सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय की छत का एक हिस्सा ढह गया। घटना रविवार को हुई थी, इसलिए किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बैठक में मंत्री के. राजन, के. एन. बालगोपाल, वी. शिवनकुट्टी, पी. ए. मोहम्मद रियास और वीना जॉर्ज के साथ-साथ मुख्य सचिव जयतिलक और जिलाधिकारी भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मरम्मत और ध्वस्तीकरण की आवश्यकता वाली इमारतों का विवरण अलग-अलग प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि तोड़फोड़ छुट्टियों के दिनों में की जानी चाहिए और नई इमारतों के निर्माण तक स्थानीय निकाय, अभिभावक-शिक्षक संघ और शिक्षा विभाग कक्षाओं के संचालन की वैकल्पिक व्यवस्था करें।

विजयन ने असुरक्षित मानी जाने वाली सार्वजनिक इमारतों का विवरण दर्ज करने के लिए एक सॉफ्टवेयर मंच विकसित करने की भी घोषणा की।

उन्होंने विद्युत सुरक्षा के लिए एक निरीक्षण तंत्र स्थापित करने का भी आह्वान किया।

कांग्रेस ने केरल में मतदाता सूची में नाम शामिल करने की समय सीमा बढ़ाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में विपक्षी दल कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मतदाता सूची में नाम जोड़ने की समय सीमा बढ़ाने का आग्रह किया है।

पार्टी ने बताया कि 23 जुलाई को मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद, नए नाम जोड़ने के लिए केवल 15 दिन का समय दिया गया। यह अवधि सात अगस्त को खत्म हो रही है।

विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने इस संबंध में निर्वाचन आयोग को एक पत्र भेजा है, जिसका विवरण मंगलवार को उनके कार्यालय द्वारा मीडिया के साथ साझा किया गया।

अपने पत्र में सतीशन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नाम जोड़ने और सही करने के साथ-साथ एक वार्ड से दूसरे वार्ड में नाम स्थानांतरित करने की ऑनलाइन प्रक्रिया में कई क्षेत्रों में तकनीकी गड़बड़ियां आ रही हैं।

पत्र में कहा गया है, जैसे-जैसे पंजीकरण की अंतिम तिथि नजदीक आ रही है, तकनीकी गड़बड़ियां और भी बदतर होती जा रही हैं। वेबसाइट के बार-बार हैंग होने की शिकायतें आम हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इन तकनीकी समस्याओं के कारण कई लोग पंजीकरण नहीं करा पाए हैं और पिछली मतदाता सूची के कई नाम वर्तमान मतदाता सूची से छूट गए हैं।

इन चिंताओं को देखते हुए, सतीशन ने अनुरोध किया कि मतदाता पंजीकरण की समय सीमा को 15 दिन और बढ़ाया जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी पात्र मतदाता इसमें शामिल हों। स्थानीय निकाय चुनावों की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है।

उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को ट्रांसजेंडर लोगों के लिए कोटा पर निर्णय लेने का निर्देश दिया

चेन्नई/भाषा। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को ट्रांसजेंडर लोगों के लिए आरक्षण पर निर्णय लेने का निर्देश दिया है, ताकि उन्हें सार्वजनिक रोजगार और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण की मांग करते हुए हर बार अदालत का दरवाजा खटखटाना न पड़े। न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश ने एन सुषमा और यू सेम्मा अग्रवाल द्वारा दायर याचिका पर सोमवार को अंतरिम आदेश पारित करते हुए यह निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर के लिए निर्धारित की। न्यायाधीश ने राज्य सरकार द्वारा ट्रांसजेंडर लोगों के लिए तमिलनाडु राज्य नीति 2025 जारी करने की सराहना की, जो 31 जुलाई, 2025 से प्रभावी हुई।

प्राधिकारों द्वारा दिए गए सुझावों का हवाला देते हुए न्यायाधीश ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण सुझाव जिस पर तत्काल विचार करने की आवश्यकता है, वह नीति के खंड 3.7 से संबंधित है जिसमें रोजगार और शैक्षणिक संस्थान में प्रतिनिधित्व का अधिकार शब्द का प्रयोग किया गया है। न्यायाधीश ने कहा कि अतिरिक्त लोक अभियोजक ने प्रस्तुत किया कि जहां तक 'एलजीबीक्यूएप्लस' के लिए नीति का सवाल है, वह प्रक्रियाधीन है और उसे अंतिम रूप देने में कुछ समय लगेगा।

केरल के सरकारी स्कूलों में 'बैकबेंच' की व्यवस्था समाप्त होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के सरकारी स्कूलों में अब पीछे की पंक्ति में बैठने वाले 'बैकबेंचर्स' की व्यवस्था जल्द ही समाप्त हो जाएगी। राज्य सरकार ने इस व्यवस्था से छात्रों पर पड़ रहे बुरे असर की आशंका के बीच पारंपरिक पंक्ति-वार बैठने की व्यवस्था को खत्म करने का कदम उठाया है।

सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने कहा कि सरकार स्कूल की कक्षाओं से 'बैकबेंचर्स' की अवधारणा को खत्म करना चाहेगी। 'फेसबुक' पर इस बड़े फैसले की घोषणा करते हुए मंत्री ने कहा, हमारी शिक्षा प्रणाली के लिए सबसे बेहतर मॉडल का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। हम पैनल के सुझावों पर विचार करते हुए आगे बढ़ेंगे। शिवनकुट्टी ने कहा 'बैकबेंचर्स' की अवधारणा से छात्रों के आत्मविश्वास और सीखने की क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। किसी भी बच्चे को पढ़ाई या जीवन में पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए। मंत्री ने कहा कई देश 'बैकबेंचर्स' की अवधारणा को खत्म करने के लिए अलग-अलग मॉडल अपना रहे हैं और उन्होंने बच्चों के बेहतर भविष्य को सुनिश्चित करने में सभी का सहयोग मांगा। 'बैकबेंचर्स' की अवधारणा को समाप्त करना केरल में कुछ समय से चर्चा का विषय रहा है। हाल ही में रिलीज हुई मलयालम फिल्म 'स्थानार्थी श्रीकुट्टन' में भी इस विचार को साझा किया गया है। विनेश विश्वनाथन निर्देशित इस फिल्म में एक स्कूली छात्र कक्षा में पीछे बैठने के कारण अपमानित होने के बाद बैठने की पारंपरिक व्यवस्था में बदलाव का प्रस्ताव रखता है।

फिल्म से प्रेरणा लेते हुए, दक्षिणी राज्य के कुछ स्कूलों ने पहले ही यू-आकार की बैठने की व्यवस्था लागू कर दी है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक छात्र को समान ध्यान और प्रमुखता मिले।

चेन्नई में सात साल की बच्ची पर पिटबुल ने अचानक किया हमला, जख्मी

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के टोंडियारपेट इलाके में एक पिटबुल (कुत्ते की प्रजाति) के अचानक हमला करने से सात साल की बच्ची घायल हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि बच्ची के चेहरे और ठोड़ी पर चोट लगी है और उसे यहां स्टेनली राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि बच्ची की हालत स्थिर है और चिकित्सकों ने उसे प्लास्टिक सर्जरी की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि हिंसक हुए पालतू कुत्ते को पकड़ लिया गया है और उसे चेन्नई नगर निगम के पशु आश्रय में भेज दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि घटना रविवार को हुई जब बच्ची टोंडियारपेट स्थित अपने घर की पहली मंजिल से बाहर निकली, तभी मकान मालकिन के कुत्ते ने उसका चेहरा दबोच लिया। उन्होंने बताया कि बच्ची की चीखें सुनकर उसके पिता और पड़ोसी मदद के लिए दौड़े और किसी तरह लड़की को बचाया। अधिकारी ने बताया कि कुत्ते की मालकिन ज्योति भूतल पर रहती है और उसके खिलाफ बीएनएस की धारा 125 और 291 के तहत मामला दर्ज किया गया है। नगर निगम के एक अधिकारी ने अस्पताल जाकर बच्ची से मुलाकात की और उसकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बताया कि तीन साल के पिटबुल को उसकी मालकिन एक महीने पहले अपने रिश्तेदार के घर से लाई थी। अधिकारी के मुताबिक महिला के पास पालतू जानवर रखने का लाइसेंस नहीं है। उन्होंने बताया कि हमले के बाद, पुलिस ने जानवरों के प्रति लापरवाही बरतने और मानव जीवन को खतरे में डालने के आरोप में ज्योति को गिरफ्तार कर लिया।

मलयालम कवि थम्पी ने फिल्म वित्त पोषण विवाद पर अडूर गोपालकृष्णन का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। वरिष्ठ मलयालम कवि, गीतकार और फिल्म निर्माता श्रीकुमारन थम्पी ने वंचित समुदायों के फिल्म निर्माताओं के लिए सरकारी वित्त पोषण पर प्रसिद्ध निर्देशक अडूर गोपालकृष्णन की टिप्पणियों को लेकर पैदा विवाद के बीच मंगलवार को उनका पुरजोर समर्थन किया।

गोपालकृष्णन का बचाव करते हुए थम्पी ने कहा कि दादा साहब फाल्के पुरस्कार विजेता विश्व के महान फिल्म निर्माताओं में से एक हैं और उन्होंने उनकी (गोपालकृष्णन की) हालिया टिप्पणियों को लेकर की गई आलोचना पर सवाल उठाया। थम्पी ने यहां पत्रकारों से कहा, उनके बयान में क्या गलत है? सरकार हाशिए पर मौजूद वर्गों के फिल्म निर्माताओं को बढ़ावा देने के लिए 1.5 करोड़ रुपए दे रही है, यह जनता का पैसा है। थम्पी ने कहा कि इस बात में कुछ भी अनुचित नहीं है कि वित्त पोषण से पहले पात्रता का मूल्यांकन किया जाए। उन्होंने कहा, हम यूं ही जनता का पैसा नहीं बांट सकते। इसमें क्या गलत है अगर कोई कहता है कि यह धन राशि फिल्म निर्माण का आवश्यक प्रशिक्षण देने के बाद ही दी जानी चाहिए?'' थम्पी ने यह भी स्पष्ट किया कि गोपालकृष्णन ने अपनी टिप्पणी में न तो महिलाओं को और न ही दलित फिल्म निर्माताओं को निशाना बनाया। उन्होंने कहा, उन्होंने (गोपालकृष्णन ने) केवल इतना कहा कि जिन्हें सरकारी सहायता दी जा रही है, उन्हें सिनेमा की पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए। कैमरा कोई खिलौना नहीं है। अनुभवी फिल्म निर्देशक ने पार्श्वगायिका पुष्पावती की भी आलोचना की, जिन्होंने रविवार को एक सरकारी फिल्म समारोह के दौरान अडूर गोपालकृष्णन के भाषण के बीच में विरोध दर्ज कराया था। थम्पी ने कहा, भाषण के बीच में उन्हें टोकना गलत था। वह भाषण खत्म होने के बाद बोल सकती थीं।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब अडूर गोपालकृष्णन ने कहा कि केरल राज्य फिल्म विकास निगम की ओर से हाशिए के समुदायों के फिल्म निर्माताओं को 1.5 करोड़ रुपए की सहायता देने की योजना अपने अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाई है। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसे इच्छुक फिल्मकारों को वित्तीय सहायता देने से पहले विशेषज्ञों से प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए। अडूर गोपालकृष्णन ने अपने बयान का बचाव करते हुए सोमवार को कहा था कि उनका उद्देश्य नए फिल्मकारों को सशक्त बनाना और उनकी तकनीकी दक्षता को बेहतर करना था।

प्रियंका गांधी ने केरल सरकार से वायनाड के लिए और अधिक ग्रामीण सड़कें आवंटित करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड (केरल)/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने केरल सरकार से वायनाड जिले में और अधिक ग्रामीण सड़कें आवंटित करने का अनुरोध किया है। पार्टी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

इस पहाड़ी जिले में जनजातीय आबादी के उच्च घनत्व जैसी विशिष्ट परिस्थितियों के मद्देनजर उन्होंने यह अनुरोध किया है।

पार्टी ने एक बयान में कहा कि वायनाड से सांसद प्रियंका ने केरल राज्य ग्रामीण सड़क विकास एजेंसी (केएसआरआरडीए) से उन दिशानिर्देशों के मद्देनजर अतिरिक्त सड़कें आवंटित करने को कहा है, जिनमें कहा गया है कि उच्च जनजातीय घनत्व वाले ब्लॉक और क्षेत्रों में जनजातीय गांवों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि वायनाड एक आकांक्षी जिला है और इसमें अच्छी खासी जनजातीय आबादी है, इसलिए इस अनुरोध पर विचार किया जाना चाहिए।

बयान में कहा गया है कि वायनाड संसदीय क्षेत्र की विशिष्ट परिस्थितियों को देखते हुए स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में विकास के लिए कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण है।

प्रियंका ने दावा किया है कि केरल में बनने वाली 500 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों में से वायनाड जिले को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए केवल 20 किलोमीटर आवंटित किया गया है और यह पूरी तरह से अपर्याप्त है।

उन्होंने राज्य सरकार से वायनाड जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना विकास एजेंसी (एनआरआईडीए) द्वारा अनुमोदित 300 सड़कों के लिए डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का अनुरोध किया है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
आंचलिक कार्यालय, चेन्नई
139, ब्रॉडवे, चेन्नई - 600104
ई-मेल :pnd.fgmochennai@unionbankofindia.bank

चेन्नै अंचल हेतु वास्तुकार/सलाहकर एवं ठेकेदारों के लिए विज्ञापन

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एक अग्रणी राष्ट्रीयकृत बैंक जिसका केन्द्रीय कार्यालय मुंबई में है, विभिन्न श्रेणियों के तहत **तमिलनाडु भर में वास्तुकार & ठेकेदारों** का पैनल तैयार करने जा रहा है। ।

पात्रता मानदंड एवं अन्य विवरण के लिए, आरएफपी दस्तावेज़ डाउनलोड करने हेतु, कृपया हमारे बैंक की वेबसाइट **www.unionbankofindia.co.in** और सरकारी निविदा पोर्टल **www.eprocure.gov.in** देखें।

आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि **28.08.2025 शाम 4 बजे** तक है। आरएफपी में किसी भी संशोधन/आशोधन/परिवर्तन सहित किसी भी परिशिष्ट की सूचना केवल बैंक की वेबसाइट और सरकारी निविदा पोर्टल पर ही दी जाएगी। अधिक जानकारी हेतु मुख्य प्रबन्धक, अंचल कार्यालय, चेन्नै **(9967189759)** को संपर्क करें।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया बिना कोई कारण बताए किसी एक या सभी आवेदनों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

उप महा प्रबंधक

जन-जन तक पहुंचे पर्यावरण संरक्षण का पिपलांत्री गांव का मॉडल : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजसमंद। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कहा है कि पर्यावरण संरक्षण के मॉडल पिपलांत्री जैसा गांव हर तहसील में हो और जन-जन तक पर्यावरण संरक्षण का पिपलांत्री गांव का मॉडल पहुंचना चाहिए। बागड़े ने पर्यावरण संरक्षण के मॉडल ग्राम-पिपलांत्री में आयोजित पर्यावरण महोत्सव-2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के मॉडल ग्राम-पिपलांत्री में आयोजित पर्यावरण महोत्सव-2025 में शिरकत की। जब वे यहां पहुंचे तब बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं अपनी नन्हीं बच्चियों के साथ मौजूद थी। राज्यपाल बागड़े ने बच्चियों का दुलार कर उन्हें आशीर्वाद दिया।

पर्यावरणविद श्याम सुंदर पालीवाल (पद्मश्री) के प्रयासों से आज यहां चारों ओर हरियाली दिखाई देती है। यह 19 वर्षों में श्याम सुंदर पालीवाल, श्रीमती अनीता पालीवाल और यहाँ के ग्रामीणों के पर्यावरण के प्रति प्रेम, आत्मीयता, समर्पण का परिणाम है। यहां ग्रामीणों ने न सिर्फ पौधे लगाए बल्कि उन्हें जीवित भी रखा, उसी का परिणाम है कि चारों ओर वृक्ष ही वृक्ष दिखाई देते हैं। हर बेटी के जन्म पर 111 पौधे लगाना अपने आप में अनुपम उदाहरण है। बागड़े ने कहा कि प्रदेश की हर तहसील में पिपलांत्री जैसा गांव होना चाहिए, राजस्थान में भूमि की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो इच्छा शक्ति की। राज्यपाल ने अमृता देवी के नेतृत्व में वृक्षों को बचाने के लिए बिश्नोई समुदाय के बलिदान को भी याद कर उन्हें नमन किया। राज्यपाल ने समस्त ग्रामीणों से अपील कर कहा कि बेटियों को पढ़ाने-लिखाने में कोई कमी नहीं रखें, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा निर्धनता से बाहर आने का सशक्त माध्यम है।

पिपलांत्री मॉडल के सूत्रधार पर्यावरणविद श्याम सुंदर पालीवाल (पद्मश्री) ने कहा कि पिपलांत्री में आज तक 14 से 15 लाख पौधे लगाए गए हैं, जिनमें एक लाख चंदन के वृक्ष शामिल है। एक समय था जब यहां भू-जल स्तर काफी कम था और पानी का भी संकट था लेकिन जल संरक्षण गतिविधियों से अब यह जल स्तर काफी ऊपर आ गया है और पानी की समस्या हमेशा के लिए दूर हो गई है। यह सब ग्रामीणों और भामाशाहों के सहयोग से ही संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि आज यहाँ तालाब और कुए में लबालब पानी है, गांव में पलायन रुका है, गाँव में ही रोजगार मिला है, पिपलांत्री आज इको टूरिज़म के साथ-साथ कई नए अवसरों को बढ़ावा दे रहा है, डेयरी व्यवसाय भी फल-फूल रहा है। कार्यक्रम में नन्ही बच्चियों ने राज्यपाल की कलाई पर राखी बांधी। राज्यपाल ने पीपल का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

सीताबाड़ी का स्वरूप बिगाड़ने से नाराज भाजपा नेता

बारां।राजस्थान में बारां जिले के किशनगंज-शाहबाद विधानसभा क्षेत्र के आदिम जाति सहरियाओं के लोक तीर्थ एवं श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र सीताबाड़ी के मिटाये गये पवित्र सूरज कुंड को पुरानी स्थिति में लाने की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन भेजा है। किशनगंज क्षेत्र के पूर्व विधायक हेमराज मीणा ने मंगलवार को कहा कि पवित्र धाम सीताबाड़ी के स्वरुप को निखारने के बजाय उसे उजाड़ने का काम पूर्ववर्ती कांग्रेस शासनकाल में पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया एवं पूर्व विधायक निर्मला सहरिया की सोची समझी चाल थी। उन्होंने बाल्मीकि की तपोभूमि के नाम से पहचान रखने वाले यहां के पवित्र कुंडों समेत वृक्षारोपण एवं यात्री सुविधाओं के लिए सुनियोजित विकास की आवश्यकता जताते हुए सूर्य कुंड को दुबारा स्थापित किए जाने की आवश्यकता जतायी।

राहुल करते हैं गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी : मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा है कि उच्चतम न्यायालय की ओर से बार-बार फटकार मिलना यह दर्शाता है कि वह बिना तथ्य, गैर-जिम्मेदाराना और राष्ट्रविरोधी बयानबाजी करते रहे हैं, विशेषकर भारतीय सेना के संदर्भ में। राठौड़ ने मंगलवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक जैसे देश की सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर भी राहुल गांधी ने सेना की नीयत और कार्यशैली पर सवाल उठाए। 'जब सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया, तो राहुल गांधी और उनकी टीम ने यह पूछना शुरू कर दिया कि 'कितने मरे', 'कहां मरे', 'क्या सबूत हैं।

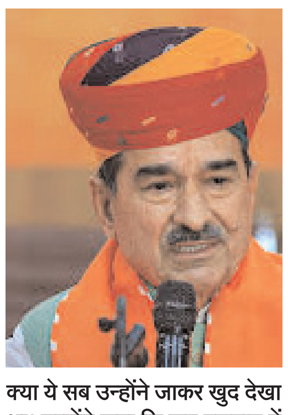

क्या ये सब उन्होंने जाकर खुद देखा था। उन्होंने कहा कि जब गलवान में हमारी सेना चीन की आर्मी को अपनी वीरता का प्रराक्रम दिखा रही थी, तब राहुल गांधी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कह रहे थे कि हमारी सेना चीनी आर्मी से पिट रही है, यह आश्चर्य और शर्मनाक बात है।

राठौड़ ने चीन के मुद्दे पर भी राहुल गांधी के बयान को अनर्गल और तथ्यहीन बताते हुए कहा कि वर्ष 1962 में जब देश के प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू थे, तब चीन ने जमीन हड़पी थी। आज जब हमारी सेना पूरी मजबूती से खड़ी है, तब भी राहुल गांधी कहते हैं कि 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन चीन ने ले ली। उच्चतम न्यायालय ने भी यही सवाल किया, क्या आपके पास कोई तथ्य हैं। उन्होंने सावरकर पर दिए गए राहुल गांधी के बयानों की भी तीखी आलोचना करते हुए कहा कि 'सावरकर जैसे क्रांतिकारी जिन्होंने तीन बार कालापानी की सजा भुगती, उनके त्याग और बलिदान का अपमान राहुल गांधी ने किया। अंग्रेजों को लिखे पत्रों की भाषा को माफीनामा बताना अज्ञानता है।

राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरनेम पर दिए गए बयान को जातिगत अपमान की श्रेणी में बताते हुए कहा कि विपक्षी नेता एक ओबीसी समुदाय को जान बूझकर निशाना बना रहे है। इसी कारण माफी मांगनी पड़ी और न्यायालय की कार्यवाही का सामना भी करना पड़ा।

राहुल गांधी से बड़ा देशभक्त कौन हो सकता है ? : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सेना के संबंध में राहुल गांधी के एक बयान को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा नाखुशी जताए जाने के संदर्भ में राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा कि उन (राहुल) से बड़ा देशभक्त कौन हो सकता है। साथ ही, गहलोत ने यह भी कहा कि राहुल गांधी ने कोई गोपनीय जानकारी साझा नहीं की है। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, देशभक्ति का सबसे बड़ा स्वरूप होता है देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देना। राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी एवं उनकी

दादी इंदिरा गांधी ने भारत देश के लिए बलिदान दिया है। राहुल गांधी ने 4,000 किलोमीटर की पदयात्रा कर देश के आमजन की समस्याओं को सरकार के सामने रखने का काम किया। उनसे बड़ा देशभक्त कौन हो सकता है? उन्होने कहा, राहुल गांधी ने कोई गोपनीय जानकारी साझा नहीं की। गलवान में चीनी घुसपैठ और झड़प, जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए, की जानकारी पहले से ही सार्वजनिक रूप से मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि चीन द्वारा भारत में लगभग 2,000 किलोमीटर तक की घुसपैठ और उससे संबंधित स्थानों की जानकारी भी इंटरनेट और मीडिया में विश्वसनीय स्रोतों पर उपलब्ध है। गहलोत के अनुसार, लद्दाख के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी समय-समय पर चीनी घुसपैठ को लेकर चिंता जताते रहे हैं। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के बाद 2023 में लद्दाख का दौरा किया था। उस समय बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भी चीनी घुसपैठ की शिकायत की थी।

उन्होंने लिखा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने भी चीनी आक्रामकता में हमारे सैनिकों की शहादत को स्वीकार किया है। राहुल गांधी का बयान सरकार से इस मुद्दे पर उचित कार्रवाई की अपील के रूप में था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के अनुसार, चूंकि यह उस समय एक ज्वलंत मुद्दा था इसलिए सरकार को स्वयं आगे आकर इस विषय पर संसद में चर्चा करनी चाहिए थी ताकि देश को विश्वास में लिया जा सके परन्तु ऐसा नहीं हुआ।

जयपुर में श्रम निरीक्षक की गोली मारकर हत्या

जयपुर। जयपुर में एक श्रम निरीक्षक (लेबर इंसपेक्टर) की मंगलवार सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना बगरू थाना क्षेत्र में हुई और आरोपी कांस्टेबल ने बाद में आत्मसमर्पण कर दिया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) आलोक सिंघल ने बताया कि आरोपी कांस्टेबल अजय कटारिया नई दिल्ली स्थित राजस्थान सशस्त्र बल (आरएसी) बटालियन में तैनात है। वह जयपुर जिले के फुलेरा का रहने वाला है। सिंघल के अनुसार आरोपी ने श्रम निरीक्षक शंकर बलाई पर उस समय गोली चलाई जब वह सुबह की सैर करके अपने घर लौट रहे थे। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

उन्होंने बताया, आरोपी ने बाद में अपने हथियार के साथ फुलेरा थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि शंकर बलाई ने अजय की सगाई एक कांस्टेबल युवती से कराने में भूमिका निभाई थी। वह युवती जयपुर में तैनात है। लेकिन किन्हीं कारणों से यह रिश्ता टूट गया। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, रिश्ता टूटने के बाद, महिला कथित तौर पर अजय को जेल भेजने की धमकी देती रही। अजय ने आरोप लगाया है कि महिला शंकर बलाई के इशारे पर उसे परेशान कर रही थी, इसलिए उसने उसे जान से मारने का फैसला किया। पुलिस ने घटनास्थल से दस गोलियों के खोखे बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार इनमें से मृतक को कितनी गोलियां लगीं ये पोस्टमार्टम के बाद ही पता लगेगा।

अनियमितताओं में लिप्त कार्मिकों के वित्तीय लेन-देन की शक्तियों पर लगाई जाए रोक धारा 55 के अंतर्गत की जाने वाली जांचों की हो समीक्षा : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों की नियमित रूप से समीक्षा कर समयबद्ध रूप से उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकरणों का एक माह के भीतर निस्तारण किया जाना चाहिए। साथ ही, इस प्रक्रिया में निरन्तर झूठी एवं आदतन शिकायत करने वाले लोगों को भी चिह्नित किया जाए।

दक मंगलवार को अपेक्स बैंक सभागार में मंत्री कार्यालय से प्रेषित किए जाने वाले जनसुनवाई प्रकरणों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने लम्बित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि सहकारी समितियों में अनियमितताओं के प्रकरण में कोई कोताही नहीं बरती जाए। ऐसे प्रकरणों में दोषी कार्मिकों के साथ ही जांच में देरी करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध भी सख्त कार्यवाही की जाए। अनियमितताओं में लिप्त कार्मिकों के वित्तीय लेन-देन की शक्तियों पर रोक लगाने पर विचार किया जाए। साथ ही, एफआईआर दर्ज करवाने और आरोप पत्र जारी करने जैसी कार्यवाही भी समय पर की जाए। उन्होंने कहा कि गबन के प्रकरणों में नियमानुसार धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज करवाने व सम्पत्ति अटैच करने की कार्यवाही की जाए।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि अनियमितताओं के प्रकरण में संबंधित कार्मिक को निलम्बित करने पर तत्काल माननीय न्यायालय में कैवियट दायर की जाए, जिससे एकतरफा कार्यवाही नहीं हो। इस संबंध में विभागीय स्तर पर परिपत्र जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि बीमा कम्पनियों के क्लेम से संबंधित प्रकरणों का अविलम्ब निस्तारण किया जाए। मल्टी स्टेट क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटियों के प्रकरणों में कार्यवाही के लिए केन्द्रीय रजिस्ट्रार को लिखा जाए। राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम, 2001 की धारा 55 के अंतर्गत की जाने वाली जांचों की समीक्षा की जाए।

दक ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के स्तर से प्राप्त प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निस्तारण किया जाए। जो अधिकारी समय पर जवाब नहीं भिजवाते हैं, उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य में नवीन पैक्स गठन हेतु प्रावधानों में शिथिलता दी जा चुकी है। अत: नवीन पैक्स गठन के प्रकरणों में तत्काल कार्यवाही की जाए। समस्त जिलों में नवगठित पैक्स के पदाधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाएं।

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने कहा कि विभाग द्वारा प्रकरणों के समयबद्ध रूप से निस्तारण के प्रयास किये जा रहे हैं। ऐसे चुनिंदा प्रकरण लम्बित हैं, जिनमें जांच की कार्यवाही की जानी है।

विभागीय स्तर पर जांच हेतु सेल का गठन किये जाने से प्रकरणों की समय पर जांच हो सकेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी प्रकरणों के संबंध में समय पर जवाब भिजवाया जाना सुनिश्चित करें। प्रकरणों के निस्तारण के संबंध में प्रगति एक सप्ताह के भीतर अपडेट की जाए। साथ ही, जांच से संबंधित लम्बित पुराने प्रकरणों में एक माह के अन्दर स्थिति अपडेट की जाए। बैठक में राजफेड के प्रबंध निदेशक टीकम चन्द बोहरा सहित सभी संबंधित फंक्शनल अधिकारी व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जैसलमेर में जासूसी के संदेह में डीआरडीओ गेस्ट हाउस के प्रबंधक को हिरासत में लिया गया

जयपुर। जैसलमेर जिले में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के गेस्ट हाउस के प्रबंधक को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के संदेह में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार उत्तराखंड के अल्मोड़ा का रहने वाला महेंद्र प्रसाद जैसलमेर के चांधन इलाके में डीआरडीओ गेस्ट हाउस के प्रबंधक के पद पर तैनात है। जैसलमेर के पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे ने कहा, प्रसाद को सोमवार को हिरासत में लिया गया था। आज उससे संयुक्त पूछताछ की जाएगी। पुलिस ने कहा, प्रसाद पर क्षेत्र में रणनीतिक अभियानों और गतिविधियों से संबंधित संवेदनशील जानकारी देने का संदेह है। उल्लेखनीय है कि डीआरडीओ जैसलमेर के पोकरण फायरिंग रेंज में मिसाइलों और हथियारों का परीक्षण करता है और इस प्रक्रिया में शामिल विशेषज्ञ और अधिकारी गेस्ट हाउस में ठहरते हैं।

भजनलाल शर्मा ने दीया कुमारी से राखी बंधवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में 'आंगनबाड़ी बहन सम्मान समारोह' को संबोधित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और आंगनबाडी बहनों से राखी बंधवाई। इस दौरान शर्मा ने डीबीटी के माध्यम से प्रदेश की 1 लाख 21 हजार आंगनबाड़ी बहनों को राखी के उपहार स्वरूप 501-501 रुपये की राशि हस्तांतरित की। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी बहनों को छाता एवं मिठाई भी उपहार स्वरूप भेंट किए गए।

समारोह में मुख्यमंत्री ने कुपोषित बच्चों के लिए दूध की मात्रा 15 ग्राम से बढ़ाकर 25 ग्राम करते हुए दूध युक्त बालाहार प्रीमिक्स पैकेट का शुभारंभ भी किया। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी बहनों को पोषण शपथ भी दिलवाई।

एनएसयूआई ने छात्र संघ चुनाव कराने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया

जयपुर। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने राजस्थान में छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग को लेकर मंगलवार को जयपुर में प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने की कोशिश करने पर कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें कीं। शहर में एमआई रोड स्थित शहीद स्मारक पर हुए विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट और एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ समेत कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल हुए। पायलट ने कहा, मुख्यमंत्री को उनके सलाहकार कैसी सलाह दे रहे हैं। राजस्थान में भाजपा सरकार बने पौने दो साल हो गए हैं, लेकिन पूरे राज्य में, ग्रामीण क्षेत्रों में विकास ठप पड़ा है। जयपुर में किसी को पता नहीं कि किस मंत्री की चल रही है किसकी नहीं चल रही। अधिकारी हावी हैं।' उन्होंने कहा कि छात्र संघ के चुनाव होने चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि चुनाव में हार जीत महत्वपूर्ण नहीं, चुनावी प्रक्रिया महत्वपूर्ण है। पायलट ने कहा, नौजवानों को चुनाव से दूर रखकर ये तानाशाही रवैया ... यह सीख दिल्ली से मिल रही है।'

शहीद स्मारक पर प्रदर्शन के बाद एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने सिविल लाइंस स्थित मुख्यमंत्री आवास की ओर जाना चाहा, लेकिन पुलिस ने पहले ही बैरिकेड्स लगा रखे थे।

पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पानी की बौछारें कीं। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच हल्की धक्का-मुक्की भी हुई। एनएसयूआई मांग कर रही है कि राज्य के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव की प्रक्रिया दोबारा शुरू की जाए।

जर्जर चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश निषेध, तत्काल मरम्मत करवाने के निर्देश प्रमुख शासन सचिव ने की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशों पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के कार्मिक राजकीय चिकित्सा संस्थानों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रहे हैं। प्रदेश के जर्जर और अधिक मरम्मत की आवश्यकता वाले चिकित्सा संस्थान के भवनों पर 'जर्जर भवन-प्रवेश निषेध' का बोर्ड डिस्पले कर उपयोग तुरंत बंद किया जा रहा है तथा प्राथमिकता के साथ इनका रिनोवेशन सुनिश्चित किया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में इस संबंध में विस्तृत दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी अपने क्षेत्र के चिकित्सा संस्थानों का गहन निरीक्षण करें और गंभीरता के साथ सुधारात्मक कार्यवाही करें। कहीं भी लापरवाही सामने आई या किसी भी प्रकार की क्षति हुई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमती राठौड़ ने अधिक वर्षा के कारण चिकित्सा संस्थानों में संभावित दुघर्टनाओं से बचाव के लिए मेंटीनेंस कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में उन्होंने चिकित्सा भवनों की स्थिति, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, आरजीएचएस, टीबी एवं गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग व उपचार, मौसमी बीमारियों और दवाइयों की उपलब्धता सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सभी जिलों के साथ विस्तार से चर्चा की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

श्रीमती राठौड़ ने विगत सप्ताह चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में दिये गये निर्देशों की पालना की जानकारी ली। उन्होंने मौसमी बीमारियों के बारे में जानकारी लेकर कहा कि जिन जिलों में मलेरिया व डेंगू के केस ज्यादा आ रहे हैं।

प्रदेश में सुदृढ़ होंगी नि:शुल्क जांच सुविधाएं हब एवं स्पॉक मॉडल से गांव-कस्बों तक बढ़ेगा जांचों का दायरा

जयपुर। प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में विभिन्न रोगों की जांच सुविधा को बेहतर बनाने के लिए प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण कर उन्हें मदर हब एण्ड स्पॉक प्रयोगशालाओं के रूप में बदला जाएगा। हब एवं स्पॉक मॉडल के तहत मदर लैब, हब लैब एवं स्पोक्स के माध्यम से जिला चिकित्सालयों में 145, उप जिला चिकित्सालयों व सैटेलाइट चिकित्सालयों में 117, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 101, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा डिस्पेन्सिरियों में 66 प्रकार की जांचें आउटसोर्स मोड पर उपलब्ध करवाई जाएंगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर तथा प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ की उपस्थिति में इसके लिए स्वास्थ्य भवन में मंगलवार को एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। एमओयू पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव, टेलीकम्यूनिकेशंस इंडिया लिमिटेड की ओर से कार्यकारी निदेशक अरूण डागर एवं कृष्णा डायग्नोस्टिक लिमिटेड की ओर से कार्यकारी निदेशक पल्लवी जैन ने हस्ताक्षर किए।

उल्लेखनीय है कि नि:शुल्क जांच सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए भारत सरकार की ओर से हब एवं स्पॉक मॉडल अपनाने की पहल की गई है। इसी क्रम में राजस्थान में भी यह मॉडल लागू किया जा रहा है ताकि गांव-कस्बों तक रोगियों को जांच की समुचित सुविधाएं सुगमता से उपलब्ध हों।

बिहार मंत्रिमंडल ने स्कूल शिक्षकों की भर्ती में अधिवास नीति को मंजूरी दी

पटना/भाषा। बिहार मंत्रिमंडल ने शिक्षकों की भर्ती में अधिवास (डोमिसाइल) नीति लागू करने को मंजूरी दे दी जिससे राज्य के ''मूल निवासियों'' के लिए लगभग 85% पद आरक्षित हो जाएंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को घोषणा की थी कि स्कूली शिक्षकों की भर्ती के लिए यह नीति लागू की जाएगी। इस वर्ष के अंत में होने विधानसभा चुनाव से पहले इस फैसले को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कैबिनेट सचिवालय के अतिरिक्त मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा, शिक्षकों की भर्ती परीक्षाओं में राज्य के मूल निवासियों को वरीयता देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा, राज्य के निवासियों के लिए पहले से ही 50 प्रतिशत से अधिक सीट आरक्षित हैं क्योंकि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्गों और अत्यंत पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण लगभग 50% है, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षित है।

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कूचबिहार (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर राज्य के कूचबिहार जिले में प्रदर्शन के दौरान तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर हमला किया, जिससे जिले के खगराबाड़ी इलाके में तनाव फैल गया। जिस वाहन में अधिकारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री निशिथ प्रमाणिक बैठे थे, उसके बुलेटप्रूफ शीशे तोड़ दिए गए। एक पुलिस वाहन की खिड़की के शीशे टूट गए।

हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को ''सुनियोजित नाटक'' करार दिया। कूचबिहार में पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय के बाहर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक रैली और प्रदर्शन का नेतृत्व करने तथा एसपी को ज्ञापन सौंपने के लिए शुभेंदु अधिकारी उत्तर बंगाल जिले की यात्रा पर आए थे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिले में पार्टी विधायकों पर हाल में हुए हमलों के विरोध में कूचबिहार एसपी कार्यालय का घेराव करने की योजना बनाई थी। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कथित रूप से ''भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों के उत्पीड़न'' और ''बंगाल में पिछले दरवाजे से राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को लागू करने के प्रयास'' का विरोध करने के लिए 19 स्थानों पर एक साथ धरना प्रदर्शन किया। इनमें से अधिकतर स्थान उस मार्ग पर स्थित थे जहां से अधिकारी का काफिला गुजरने वाला था। अधिकारी को घोक्साडांगा क्षेत्र के पास 'वापस जाओ' और 'चोर' जैसे नारों का सामना करना पड़ा, और रास्ते में काले झंडे दिखाए गए। भाजपा नेताओं के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस पार्टी के झंडे और काले झंडे लिए तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ दोपहर करीब 12 बजकर 35 मिनट पर खगराबाड़ी चौराहे पर जमा हो गई। उसी वक्त अधिकारी का काफिला इलाके से गुजर रहा था। अधिकारी ने आरोप लगाया, तृणमूल कांग्रेस रोहिंग्याओं को लेकर आए थे जो क्षेत्र में घुसपैठ कर आए थे और उनके जरिए उन पर हमला करवाया। उन्होंने दावा किया, जिस कार से मैं जा रहा था उसे उन्होंने 'रॉड' और लाठी-डंडों से तोड़ने की कोशिश की। असफल होने के बाद उन्होंने भारी पत्थरों वार कर कार के बुलेटप्रूफ शीशे को तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि वह बुलेटप्रूफ वाहन के कारण ही आज जीवित हैं। भाजपा नेता ने कहा कि वह कानून-व्यवस्था की विफलता को लेकर संबंधित पुलिस अधीक्षक (एसपी) के खिलाफ पूरी कानूनी ताकत के साथ कार्रवाई करेंगे। अधिकारी ने कहा, मैंने यहां आने से पहले पुलिस और प्रशासन को सूचित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए थे, क्योंकि इस कार्यक्रम को उच्च न्यायालय की मंजूरी मिली है और और मुझे आशंका थी कि ऐसा कुछ हो सकता है। अब एसपी परिणाम का सामना करेंगे।

कांग्रेस का कटाक्ष: 'दोस्त दोस्त ना रहा...ट्रंप तेरा ऐतबार ना रहा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर शुल्क बढ़ाने की धमकी दिए जाने को लेकर मंगलवार को सरकार पर कटाक्ष किया और प्रसिद्ध गायक मुकेश के मशहूर गाने 'दोस्त दोस्त ना रहा' का उल्लेख किया तथा आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ''झप्पी कूटनीति'' (हग्लोमैसी) पूरी तरह विफल हो चुकी है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्रंप की धमकी पर विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया को ''कमजोर बताते हुए कहा कि इस मुद्दे पर खुद प्रधानमंत्री मोदी को स्पष्ट रूप से बोलना चाहिए। ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी भरे लहजे में कहा था कि वह रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। उन्होंने भारत पर भारी मात्रा में रूस से तेल खरीदने और उसे बड़े मुनाफे पर बेचने का आरोप लगाया था। अमेरिकी राष्ट्रपति के टिप्पणी पर रमेश ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मुझे राज कपूर, वैजयंतीमाला और राजेंद्र कुमार की फिल्म 'संगम' का एक पुराना गाना याद आ गया जिसे मुकेश ने गाया था। वह गाना था- 'दोस्त दोस्त ना रहा, प्यार प्यार ना रहा, ट्रंप हमें तेरा ऐतबार ना रहा, यह तथाकथित मोदी-ट्रंप दोस्ती का पूरी तरह पतन है। उन्होंने कहा, सितंबर 2019 में 'हाउडी मोदी' हुआ, फरवरी, 2020 में 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रमों और 'अबकी बार ट्रंप सरकार' का नारा मोदी ने दिया। फरवरी 2025 में फोटो सेशन भी हुआ। यह दावा किया गया कि मोदी उन शुरुआती नेताओं में थे जिन्होंने ट्रंप को दोबारा जीत पर बधाई दी। रमेश का कहना था, हमारे विदेश मंत्री (एस. जयशंकर) ने शेखी बघारी कि वह व्हाइट हाउस में ट्रंप के उद्घाटन समारोह में पहली पंक्ति में बैठे थे। पूरी विदेश नीति इस व्यक्तिगत मित्रता पर टिकी थी।

एसआईआर भाजपा-नीत केंद्र सरकार के दिमाग की है उपज : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) निर्वाचन आयोग की मिलीभगत से भाजपा-नीत केंद्र सरकार के दिमाग की उपज है।

पश्चिम मेदिनीपुर जिले के बाढ़ प्रभावित घाटल के दौरे पर आईं बनर्जी ने यह भी कहा कि बांग्ला भाषी भारतीय नागरिकों को बांग्लादेशी बताकर पड़ोसी देश भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा, यह (एसआईआर) योजना केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई है, जिसमें निर्वाचन आयोग को भी शामिल किया गया है। हम इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इस प्रक्रिया के लिए माता-पिता के जन्म प्रमाण-पत्र सुरक्षित रखना सभी के लिए संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह पश्चिम बंगाल में एसआईआर लागू करने के किसी भी प्रयास को स्वीकार नहीं करेंगी। राज्य में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। बनर्जी ने दावा किया, यदि राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण लागू किया जाता है, तो सभी धर्मों के लोगों को नुकसान होगा। विपक्षी दल संसद के दोनों सदनों में एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि निर्वाचन आयोग की इस कवायद का उद्देश्य बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले 'मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करना' है। बनर्जी ने दोहराया कि पश्चिम बंगाल के प्रवासी कामगारों को 'अपनी मातृभाषा के कारण' कुछ राज्यों में उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि चूंकि उन्होंने इस तरह के कृत्यों का विरोध किया है, इसलिए कुछ हलकों में यह मांग उठ रही है कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर एनआरसी लागू करने की कोशिशें चल रही हैं।

सत्यपाल मलिक ने सत्ता को सच का आईना दिखाया था : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पर दुख जताया और कहा कि वह आखिरी समय तक बेबाकी और निडरता से सत्ता को सच का आईना दिखाते रहे।

मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पूर्व राज्यपाल व किसान हितैषी नेता सत्यपाल मलिक जी के निधन का समाचार बेहद दुखद है। वे बेबाक़ी और निडरता से सत्ता को सच्चाई का आईना दिखाते रहे। शोकाकुल परिवारजनों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी मलिक के निधन पर दुख जताया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक जी के निधन की ख़बर सुनकर बेहद दुख हुआ। मैं उन्हें हमेशा एक ऐसे इंसान के रूप में याद करूंगा, जो आख़िरी वक्त तक बिना डरे सच बोलते रहे और जनता के हितों की बात करते रहे। मैं उनके परिजनों, समर्थकों और शुभचिंतकों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मलिक के निधन पर दुख जताया और उन्हें किसानों की मुखर आवाज बताया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, देश के किसानों की मुखर आवाज एवं पूर्व राज्यपाल श्री सत्यपाल सिंह मलिक जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। शोक-संतप्त परिजनों एवं समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

तेज प्रताप यादव की बिहार विस चुनाव लड़ने के लिए पांच छोटे दलों का गठबंधन बनाने की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने राज्य में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पांच छोटे दलों का गठबंधन बनाने की मंगलवार को घोषणा की।

तेज प्रताप ने यह घोषणा एक संवाददाता सम्मेलन में की, जिसमें पांचों दलों के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी शामिल हुए।

तेज प्रताप को हाल ही में उनके पिता एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद ने पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

ये पांच दल विकास वंचित इंसान पार्टी (वीवीआईपी), भोजपुरिया जन मोर्चा (बीजेएम), प्रगतिशील जनता पार्टी (पीजेपी), वाजिब अधिकार पार्टी (डब्ल्यूएपी) और संयुक्त किसान विकास पार्टी (एसकेवीपी) हैं।

तेज प्रताप ने कहा कि वह इस साल के अंत में होने वाला विधानसभा चुनाव महुआ सीट से लड़ेंगे, जिसका उन्होंने 2020 तक प्रतिनिधित्व किया। बाद में राजद ने उन्हें हसनपुर स्थानांतरित कर दिया था।

असम: आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्व आईएएस अधिकारी के परिसरों पर ईडी के छापे

गुवाहाटी/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को आय से अधिक संपत्ति के मामले में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की सेवानिवृत्त अधिकारी सेवाली देवी शर्मा से जुड़े परिसरों पर छापे मारे। यहां एक आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने असम राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) की पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष-सह-निदेशक शर्मा से जुड़े कम से कम आठ परिसरों पर छापे मारे हैं। धन शोधन का यह मामला असम के मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ के निर्देश पर राज्य पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी से उपजा है। शर्मा पर पहले पुलिस ने 5.7 करोड़ रुपए की कथित अवैध संपत्ति रखने के लिए चार्जशीट दाखिल की थी। ईडी की कार्रवाई पर टिप्पणी के लिए पूर्व आईएएस से तत्काल संपर्क नहीं हो सका।

सूत्रों के अनुसार, शर्मा एससीईआरटी के मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रकोष्ठ (ओडीएल) की कार्यकारी अध्यक्ष-सह-निदेशक के रूप में कार्यरत थी और उनके पास राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के दो वर्षीय डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन कार्यक्रम के कार्यान्वयन की भी जिम्मेदारी थी। राज्य सरकार ने इससे पहले 59 संस्थानों के निर्माण और 27,897 शिक्षकों के प्रशिक्षण को मंजूरी दी थी। शर्मा पर आरोप है कि उन्होंने 'अधिक धन जुटाने' के लिए 347 अध्ययन केंद्र खोले और 1,06,828 प्रशिक्षुओं को नामांकित किया। सूत्रों के अनुसार, शर्मा ने ओडीएल सेल के लिए पांच बैंक खाते खोले, जिनमें वह एकमात्र हस्ताक्षरकर्ता थीं, जो असम वित्तीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम, 2005 का उल्लंघन है।

झांसी में संदिग्ध परिस्थितियों में अधिवक्ता की मौत, परिजनों को हत्या का अंदेशा

झांसी (उप्र)/भाषा। झांसी जिले के तालपुरा इलाके में मंगलवार को एक अधिवक्ता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मृतक के परिजन ने हत्या का अंदेशा जताया है। झांसी के पूर्व अपर जिला शासकीय अधिवक्ता और गुरसराय नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष भानु प्रकाश सरवरिया (62) शहर के तालपुरा इलाके में पत्नी सुशीला देवी के साथ रहते थे। पुलिस के मुताबिक आज सुबह सैर से वापस आने के बाद वह कमरे में सो गए और जब काफी देर तक उनका दरवाजा नहीं खुला तो घर में रहने वाले किराएदार पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कहा कि दरवाजा खोलकर देखा गया तो उनका शव पड़ा हुआ था और पैर में रस्सी भी बंधी हुई थी। सरवरिया की बेटी कविता ने पिता की हत्या की आशंका जताई है। उनके पैर में रस्सी बंधी होना तथा गले पर भी कुछ निशान होने से आशंका है कि किसी ने उनकी हत्या की है। घर में उनके कुछ कागज भी बिखरे हुए पाए गए हैं और मां की मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं है। घटनास्थल पर पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबी जीटीएस मूर्ति ने बताया कि अधिवक्ता की संदेहास्पद परिस्थितियों में मौत हुई है। बाहर से किसी व्यक्ति के आने की स्थिति दिखाई नहीं दे रही है, फिर भी पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच-पड़ताल कर रही है।

त्रिपुरा में बाल विवाह अभी भी चिंता का सबब

सिपाहीजाला में तीन महीने के भीतर 103 मामले सामने आए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में इस वर्ष अप्रैल से जून के बीच बाल विवाह के राज्य में सबसे अधिक 103 मामले दर्ज किए गए हैं। यहां एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

इस मुद्दे पर चिंताओं के बीच, जिला प्रशासन ने अपने प्रमुख पहल 'मिशन संकल्प' के तहत इसी अवधि के दौरान बाल विवाह के 101 प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल किया। 'मिशन संकल्प' पहल का उद्देश्य बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों पर अंकुश लगाना है। दक्षिण त्रिपुरा जिला 43 मामलों के साथ बाल विवाह के लिए दूसरे स्थान पर रहा। आकांक्षी ज़िला धलाई में बाल विवाह के 33 मामले दर्ज किए गए जबकि यहां 31 बाल विवाह के प्रयासों को विफल किया गया। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) की रिपोर्ट के अनुसार, बाल विवाह के मामलों में त्रिपुरा देश में तीसरे स्थान पर है। बाल विवाह को त्रिपुरा में सबसे गंभीर सामाजिक चुनौतियों में से एक बताते हुए समाज कल्याण एवं सामाजिक शिक्षा विभाग के निदेशक तपन कुमार दास ने कहा कि इस मुद्दे ने पूर्वोत्तर राज्य में गंभीर रूप ले लिया है। उन्होंने विभागीय निष्कर्षों का हवाला देते हुए कहा, आर्थिक रूप से पिछड़ापन इसका असल कारण है। निरक्षरता, सामाजिक समर्थन का अभाव और सोशल मीडिया का दुष्प्रभाव भी इसके लिए जिम्मेदार कारक हैं। दास ने कहा कि विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों को अभी भी बोझ समझा जाता है और कई माता-पिता अपनी बेटियों को शिक्षित करने को लेकर अनिच्छुक हैं। इस समस्या के समाधान के लिए समाज कल्याण विभाग ने जिला प्रशासन के साथ समन्वय करके कई उपाय किए हैं। दास ने बताया, ऐसी ही एक पहल 'बालिका मंच' है, जो ज़्यादातर स्कूलों में गठित एक स्कूल-स्तरीय समिति है। इसमें शिक्षक और छात्राएं दोनों शामिल होते हैं। अगर कोई छात्रा कई दिनों तक अनुपस्थित रहती है, तो उसके सहपाठियों को समिति को इसकी सूचना देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसके बाद मामले की जांच की जाती है और ज़रूरत पड़ने पर पंचायत को भेजा जाता है।

बाल विवाह विरोधी पहल में अग्रणी रहे सिपाहीजाला के जिलाधिकारी सिद्धार्थ शिव जायसवाल ने कहा कि 'मिशन संकल्प' विशेष रूप से बाल विवाह, किशोर गर्भावस्था और युवाओं में मादक पदार्थों के सेवन की समस्या से निपटने के लिए बनाया गया है।

ओडिशा: दूरदराज के इलाकों में बिजली की खराबी का पता ड्रोन से लगाया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में अब महिलाएं रात्रि पाली में भी काम कर सकेंगी, लेकिन इसके लिए लिखित सहमति अनिवार्य होगी। राज्य सरकार की एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई।

श्रम एवं कर्मचारी राज्य बीमा विभाग ने एक विस्तृत दिशानिर्देश जारी किया है, जिसके तहत महिलाओं को कारखानों, दुकानों और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में रात्रि पाली में काम करने की अनुमति दी गई है। इसमें कहा गया है कि रात्रि पाली में कम से कम तीन महिला कर्मचारियों की मौजूदगी आवश्यक है और उन्हें लाने-ले जाने के लिए जीपीएस ट्रैकिंग प्रणाली सहित पर्याप्त परिवहन सुविधाओं की व्यवस्था भी की जानी चाहिए। अधिसूचना में कहा गया है कि किसी भी संस्थान में रात के समय कोई भी किशोरी न तो कर्मचारी के रूप में और न ही किसी और रूप में काम कर सकेगी।

अधिसूचना के अनुसार, नियोक्ता को कार्यस्थल के पास शौचालय या वाशरूम और पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध करानी होगी, जहां ऐसी महिला कर्मचारी कार्यरत हैं, साथ ही सीसीटीवी निगरानी और उचित प्रकाश व्यवस्था का प्रबंध भी करना होगा, जिसमें सुविधाओं के लिए मार्ग भी शामिल होंगे। इसमें कहा गया है कि इस फैसले से महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

परिवर्तन के दौर की पहली परीक्षा में सफल रही भारतीय टीम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम जब लगभग दो महीने पहले इंग्लैंड पहुंची थी तो कुछ प्रमुख सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में उससे ज्यादा उम्मीद नहीं की जा रही थी लेकिन इस टीम ने पांचों टेस्ट मैच में न सिर्फ़ उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया, बल्कि भविष्य के लिए एक बेहतरीन खाका भी पेश किया।

विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के केवल तीन मैच के लिए उपलब्ध रहने के कारण भारतीय टीम से बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं लगाई जा रही थी लेकिन वह परिवर्तन के इस दौर की पहली परीक्षा में सफल रही। दोनों कप्तानों गिल और उनके प्रतिद्वंदी बेन स्टोक्स के शब्दों में 45 दिनों की कड़ी टक्कर के बाद 2-2 की बराबरी शायद एक उचित परिणाम है। भारत ने दो मैच गंवाए, लीड्स में पहला मैच और लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट। इन मैच में भी भारत जीत सकता था लेकिन यही वह सबक है जो युवा खिलाड़ियों को मिला है।

भारतीय टीम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उसने किसी भी मैच में आखिर तक हार नहीं मानी और दो मैच में शानदार वापसी की। इससे टीम के जज्बे का पता चलता है। इस श्रृंखला में यह भी साबित हो गया कि भारतीय टीम का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। गिल ने श्रृंखला में चार शतक की मदद से सर्वाधिक 754 रन बनाकर आगे बढ़कर नेतृत्व किया जिससे अन्य खिलाड़ियों को भी अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली। अपने करियर की शुरुआत सलामी बल्लेबाज के रूप में करने वाले गिल ने बल्लेबाजी क्रम में महत्वपूर्ण चौथे नंबर पर खुद को स्थापित करके भारत की कई चिंताओं को भी दूर कर दिया।

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज श्रृंखला के नायक बनकर उभरे। वह दोनों टीमों की ओर से सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज थे। उन्होंने ओवल में श्रृंखला का अंतिम विकेट लिया और 23 विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। कार्यभार प्रबंधन के कारण दो टेस्ट मैचों में जसप्रीत बुमराह के नहीं खेलने का सिराज ने पूरा फायदा उठाया। विपक्षी कप्तान बेन स्टोक्स की तरह उन्होंने दबाव बनाए रखने के लिए कुछ अतिरिक्त ओवर फेंकने की ज़रूरत पड़ने पर अपना योगदान दिया। बुमराह की फिटनेस पर सवाल बने रहेंगे और लंबे प्रारूप में उनका भविष्य भी अनिश्चित है। लेकिन भरोसा है कि सिराज नए तेज गेंदबाजों को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रसिद्ध कृष्णा और आकाशदीप ने उनका अच्छा साथ दिया। रविंद्र जडेजा ने अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करके इस श्रृंखला को अपने लिए यादगार बना दिया। इस 36 वर्ष के खिलाड़ी ने श्रृंखला में 516 रन बनाए जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं।

केएल राहुल दोनों टीमों में सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज रहे। उन्होंने इंग्लैंड की मुश्किल परिस्थितियों में अपने कौशल और प्रतिभा का शानदार नमूना पेश किया। गिल और जडेजा के अलावा वह श्रृंखला में दो शतकों सहित 500 से अधिक रन बनाने वाले अन्य भारतीय बल्लेबाज थे।

निचले क्रम में वाशिंगटन सुंदर का संयमित प्रदर्शन सराहनीय रहा और उन्होंने मैनचेस्टर में अपनी ऑफ स्पिन से भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने पर अड़ा रहा और वाशिंगटन ने सुनिश्चित किया कि टीम को अपने चुने हुए रास्ते से नहीं हटना पड़े। ऋषभ पंत और क्रिस वोक्स के साहसिक प्रदर्शन ने भी श्रृंखला को और अधिक रोचक बना दिया। पंत जहां मैनचेस्टर में पहली पारी में महत्वपूर्ण रन जोड़ने के लिए पैर में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरे, वहीं वोक्स कंधे की चोट के बावजूद अंतिम टेस्ट के पांचवें दिन बल्लेबाजी करने उतरे।

लोग आते जाते रहेंगे लेकिन टीम कल्चर हमेशा सुधार से जुड़ा होना चाहिए : गंभीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऐसी मजबूत टीम संस्कृति बनाने पर जोर दिया है जिसकी नींव कड़े परिश्रम और प्रदर्शन में सुधार पर टिकी हो और जो खिलाड़ियों को आकर्षित करे, खिलाड़ी भले ही आते जाते रहें।

गंभीर ने इंग्लैंड के खिलाफ सोमवार को एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी 2 . 2 से ड्रॉ रहने के बाद ड्रेसिंग रूम में अपने भाषण में अपने विचार रखे।

बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में उन्होंने कहा, जिस तरह से यह श्रृंखला खेली गई है, 2 . 2 एक बेहतरीन नतीजा है। सभी को बधाई। उन्होंने कहा, हमें बेहतर होते रहना है। हम मेहनत करते रहेंगे। हम विभिन्न पहलुओं में अपने खेल में सुधार करेंगे क्योंकि ऐसा करके ही लंबे समय तक क्रिकेट में दबदबा बना सकेंगे।

गंभीर ने कहा, लोग आते जाते रहेंगे लेकिन ड्रेसिंग रूम का कल्चर ऐसा होना चाहिए कि लोग उसका हिस्सा बनना चाहें। हम यही बनाना चाहते हैं। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट श्रृंखलाओं में मिली हार के बाद भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी और युवा शुभमन गिल ने इंग्लैंड में कमान संभाली थी। उन्होंने कहा, शुभकानायें। पूरा मजा लो। कुछ दिन का ब्रेक ले सकते हो क्योंकि आप इसके हकदार हो। आपने जो हासिल किया है, आप इसके हकदार हैं।

हरफनमौला वॉशिंगटन सुंदर को 'इंपैक्ट प्लेयर आफ द सीरिज' पुरस्कार दिया गया जो उन्हें रविंद्र जडेजा ने दिया। सुंदर ने कहा, इंग्लैंड में चार मैच खेलकर अच्छा लगा। मैं हमेशा यहां अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था। एक टीम के रूप में हमने हर दिन यही सोचकर खेला। जो ऊर्जा थी खासकर फील्डिंग में, हम हमेशा एक दूसरे के लिए खड़े थे।

सुविचार

वह व्यक्ति जो दूसरों के अनुभवों से सीखता है, वह बुद्धिमान होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जम्मू-कश्मीर: कैसे खुलेगी शांति की राह?

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला का यह बयान कि 'जब तक पड़ोसी देश (पाकिस्तान) के साथ हमारे संबंध बेहतर नहीं हो जाते, तब तक यहां (जम्मू-कश्मीर में) आतंकवाद समाप्त नहीं होगा', तथ्यात्मक रूप से अधूरा है। इसे पढ़-सुनकर बहुत लोग भ्रमित हो सकते हैं। क्या जम्मू-कश्मीर के ये पूर्व मुख्यमंत्री नहीं जानते कि पाक प्रायोजित आतंकवाद की जड़ कहां है? यह बात कहने-सुनने में बड़ी अच्छी लगती है कि जिस दिन भारत-पाकिस्तान के संबंध अच्छे हो जाएंगे, कोई झगड़ा ही नहीं रहेगा। आजादी के इतने दशकों बाद, जब जम्मू-कश्मीर में हजारों भारतीय नागरिक आतंकवाद के शिकार हो चुके हैं, हमें समस्या की असल वजह समझनी होगी। अन्यथा यह सिलसिला चलता रहेगा। जम्मू-कश्मीर में सत्ता सुख प्राप्त कर चुके कई नेतागण अपने वोटबैंक को इकट्ठा रखने के लिए ऐसे बयान देते रहते हैं, जिनका हकीकत से कोई लेना-देना नहीं होता है। क्या जिन्ना ने इसलिए पाकिस्तान की मांग की थी, ताकि भारत के साथ उसके मधुर संबंध रहें? जो ऐसा मानते हैं, वे ख़्वाबों और ख़यालों की दुनिया में रहते हैं। वे जानते ही नहीं कि पाकिस्तान और उसका नेतृत्व, दोनों हमारे बारे में क्या सोचते हैं! पाकिस्तान की नींव ही 'हिंसा, कट्टरता, घृणा और भेदभाव' पर टिकी है। इन चारों बुराइयों को जोड़ें तो उसका नतीजा 'आतंकवाद' ही निकलता है। लिहाजा यह कहना पूरी तरह सही नहीं है कि जब तक भारत-पाकिस्तान संबंध नहीं सुधरेंगे, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद खत्म नहीं होगा। बल्कि यह कहना ज्यादा तर्कसंगत होगा कि जब तक जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद खत्म नहीं होगा, पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध नहीं सुधर सकते।

पाकिस्तान में नेता और फौज कभी साथ-साथ, कभी अलग-अलग चलते हैं। नेता अपनी नीति बदलते रहते हैं, लेकिन पाकिस्तानी फौज ने अपनी नीति कभी नहीं बदली। वह है- भारत के साथ लगातार टकराव बनाए रखना। साल 1999 तक इस पड़ोसी देश की फौज ने बड़े स्तर पर सैन्य टकराव को जारी रखा था। हालांकि हर बार उसकी बुरी तरह शिकस्त हुई थी। अब रावलपिंडी के जनरल समझ चुके हैं कि खुलकर युद्ध में कूदना उनके लिए नुकसानदेह है, इसलिए वे आतंकवादियों को आगे कर उन्हें मोहरा बना रहे हैं। भारतीय सशस्त्र बल कितने ही आतंकवादियों का खात्मा करते जाएं, उनका आना तब तक नहीं रुकेगा, जब तक कि पाकिस्तान उन्हें भेजना बंद न कर दे। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक जैसी कार्रवाइयां सख्त पैगाम जरूर देती हैं। ये आतंकवादियों का आना पूरी तरह बंद नहीं करवा सकतीं। यह सिलसिला उसी सूरत में बंद हो सकता है, जब जीएचक्यू रावलपिंडी को बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़े। एक आतंकवादी के खात्मे के साथ पाकिस्तान के कई जवानों और फौजी अधिकारियों को भी परलोक के दीदार करने पड़ जाएं तो इस समस्या का समाधान हो सकता है। पाकिस्तानी अधिकारी अपनी जान नहीं गंवाना चाहते। वे कथित कुर्बानी आतंकवादियों की ही देना चाहते हैं। वहां कट्टरपंथी विचारधारा के मदरसों में ऐसे छात्रों की कमी नहीं है, जिन्हें भविष्य में हथियार देकर एलओसी पर भेजा जा सकता है। यह कार्य पाकिस्तानी फौज के आशीर्वाद के बगैर नहीं हो सकता। जिस दिन इन आतंकवादियों के साथ बड़ी तादाद में पाकिस्तानी फौजी ढेर होने लगेंगे, घुसपैठ कम हो जाएगी। जिस दिन पाकिस्तानी फौज बहुत बड़ी कीमत चुकाएगी, घुसपैठ बंद हो जाएगी। जम्मू-कश्मीर में भी शांति हो जाएगी। अगर इससे पहले, भारत सरकार संबंध सुधारने के लिए इस्लामाबाद से बातचीत करेगी तो उसका कोई फायदा नहीं होगा। इतिहास इसका साक्षी है।

ट्वीटर टॉक

उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में हुई जनहानि का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य व संबल दें।

-दीया कुमारी

पावन श्री अयोध्या धाम में करोड़ों रामभक्तों के आराध्य प्रभु श्री राम जी के भव्य-दिव्य मंदिर के भूमि-पूजन की वर्षगांठ पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। आज का यह पावन दिन युगों-युगों तक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक रहेगा।

-वासुदेव देवनानी

जनता-जनार्दन से मन का नाता रखने वाले पोकरण के माननीय विधायक महंत श्री प्रताप पुरी जी महाराज को जन्मदिवस की सादर बधाई एवं शुभकामनाएँ! आपके नेतृत्व में क्षेत्र के विकास का नया आयाम गढ़ा जा रहा है। प्रभु श्रीराम आपकी असीम ऊर्जा को अक्षुण्ण बनाएँ रखें।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मौन में मुखर भक्ति

जब हनुमान जी की दृष्टि एक घायल मोर पर पड़ी, जो राम नाम का जाप नहीं कर रहा था, तो उनका मन व्याकुल हो गया। जहां सभी जीव राम का गुणगान कर रहे थे, वहीं यह मोर नि:शब्द पड़ा था। हनुमान जी ने पूछा, 'हे मोर, तुम राम नाम क्यों नहीं जपते?' मोर मौन रहा। हनुमान जी सोच में पड़ गएक्या यह प्रभु से विमुख है, या इसकी पीड़ा ही इसे मौन बना रही है? इस संशय को लेकर वे श्रीराम और सीता जी के पास पहुंचे और सारी बात विस्तार से बताई। हनुमान की जिज्ञासा सुनकर श्रीराम मुस्कुरा उठे और बोले, हनुमान, यदि तुम जानना चाहते हो कि भक्ति का असली स्वरूप क्या है, तो इस मोर की सेवा करो। न राम नाम सिखाओ, न कोई प्रवचन दो, बस इसे ठीक करो। हनुमान जी ने विनम्रता से आज्ञा स्वीकार की। वे दिन-रात उस मोर की सेवा में लगे रहे। अपने उपचार से उन्होंने उसके घाव तो भर दिए, पर मोर अब भी मौन था। एक दिन, जब हनुमान उसकी सेवा में लीन थे, उन्होंने देखा कि मोर की आंखों से अश्रु बह रहे हैं और उसकी दृष्टि में श्रीराम की छवि स्पष्ट प्रतिबिंबित हो रही है। उस क्षण हनुमान को अनुभूति हुई 'यह तो राम को उसी तरह देख रहा है जैसे मैं।' उनकी आंखें भर आईं।

सामयिक

मालदीव के साथ भारत के संबंध सुधरने के बाद क्या बदला है ?

अशोक भाटिया

मालदीव की यात्रा भारत की पड़ोसी पहले नीति के महत्व की भी पुष्टि करती है, ऐसे समय में जब भारतीय विदेश नीति अमेरिका के व्यापार शुल्कों और यूक्रेन व गाजा में संघर्षों से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है। पहलगाम हमलों के बाद पाकिस्तान के साथ संघर्ष और बांग्लादेश के साथ तनाव ने सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, नई दिल्ली विभिन्न देशों से संपर्क साधने में भी व्यस्त रही है, लेकिन उसने पड़ोसी देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजे हैं। यह उत्साहजनक है कि नई दिल्ली नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का स्वागत करने की तैयारी कर रही है, जिन्हें एक साल पहले पदभार ग्रहण करने के बाद से भारत आमंत्रित नहीं किया गया है। मालदीव द्वारा अपने राष्ट्रीय दिवस समारोह के लिए जारी एक स्मारक डाक टिकट पर पारंपरिक भारतीय और मालदीव की नावें दिखाई गईं, जिन्हें श्री मोदी ने भारत और मालदीव के न केवल पड़ोसी होने, बल्कि एक साझा यात्रा पर साथी यात्री होने का प्रतिबिंब बताया। वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के दौर में, पड़ोसियों के साथ घनिष्ठ संबंध - जो उनकी आर्थिक ज़रूरतों को पूरा करे और जहाँ तक संभव हो, उनकी विकास योजनाओं का समर्थन करे - आवश्यक है। मालदीव के साथ भारत के संबंध, जो भारत के बहुत ही करीब है और हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, पिछले दो वर्षों में खराब हो गए हैं; लेकिन अब, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के साथ, दोनों देशों के बीच संबंधों को पुनर्जीवित किया गया है और मालदीव के शासकों ने अब महसूस किया है कि देश की अर्थव्यवस्था व्यक्तिगत अर्थव्यवस्था से अधिक महत्वपूर्ण है।इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केरल तट से लगभग 500 किलोमीटर दूर मालदीव की यात्रा भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। इसके बावजूद, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव की यात्रा छह साल बाद ही संभव हो सकी। चीन और पाकिस्तान के प्रयासों से वहां बने भारत विरोधी माहौल को बेअसर करने में कुछ समय लगा। भारत और मालदीव के बीच संबंध तब से प्रभावित होने लगे जब चीन ने हिंद महासागर के मुख्य व्यापार मार्ग के पास देश की निगरानी शुरू की। ये था। इस दशक में, चीन और पाकिस्तान द्वारा मालदीव की राजनीति में हस्तक्षेप करने और उनके अनुकूल सरकार बनाने के प्रयास किए गए हैं; लेकिन भारत की चिंता स्वाभाविक रूप से तब बढ़ गई जब चीन ने मालदीव के जल में अपनी उपस्थिति स्थापित करने के उद्देश्य से एक द्वीप पट्टे पर लिया। इस द्वीप के बहाने चीन ने न केवल अपने नौसैनिक जहाजों को मालदीव भेजना शुरू किया, बल्कि उन्हें स्थायी रूप से तैनात करने पर भी विचार किया। दूसरी ओर, भारत ने मालदीव के जल की निगरानी के लिए अपने तट रक्षक के साथ सहकारी संबंध स्थापित नहीं किए। इसने वहां एक द्वीप पर अपना रडार स्टेशन भी स्थापित किया।

दो साल पहले मालदीव ने भारतीय सैनिकों की वापसी का सुझाव दिया था। भारत को लेकर सुगबुगाहट मच गई थी। इसलिए, भारतीय पर्यटकों ने मालदीव के बजाय अंडमान और निकोबार को चुना। परिणामस्वरूप, इस देश के साथ हमारे संबंध बिगड़ गए। मालदीव की अर्थव्यवस्था भारत और रूस के पर्यटकों पर निर्भर है। मालदीव के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन का हिस्सा 30 प्रतिशत है। हालांकि चीनी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है, लेकिन मालदीव में कम पर्यटक हैं। मालदीव भारत के साथ खिलवाड़ नहीं कर सका; इसके अलावा, मालदीव के शासकों ने महसूस किया कि अगर चीन कर्ज के जाल में फंस गया, तो देश और भी अधिक संकट में पड़ जाएगा। चीन की मदद स्वैच्छिक है। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि मुसीबत के समय वह पीछे रहेगा। भारत ने मालदीव के आक्रामक रुख पर बहुत धैर्य से प्रतिक्रिया व्यक्त की। भारत ने मदद करना बंद नहीं किया, लेकिन मदद का हाथ बढ़ाया। तो अब अंतर यह है कि हमारा सच्चा दोस्त कौन है और कौन दोस्त है जो लाभ के लाभ के लिए दोस्ती का हाथ बढ़ा रहा है।

मालदीव, चीन और पाकिस्तान भारत के साथ सहयोगात्मक संबंधों के बिना लंबे समय तक जीवित नहीं रह सकते हैं। लगभग चार दशक पहले, जब कुछ विद्रोही तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल गयूम को उखाड़ फेंकने के लिए माले में उतरे, तो उन्होंने भारत की मदद मांगी। राजीव गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार ने गयूम की शक्ति को बचाने के लिए 'ऑपरेशन कैक्टस' के हिस्से के रूप में भारतीय वायु सेना के एक परिवहन विमान को माले में लॉन्च किया। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत के साथ संबंधों को प्रभावित करने के लिए मालदीव में 500,000 सुन्नी मुस्लिम आबादी की धार्मिक भावनाओं को भड़काने की कोशिश कर रही है। लेकिन मोदी की यात्रा से यह स्पष्ट है कि यह प्रयास सफल नहीं होगा। मालदीव की अपनी यात्रा के दौरान, भारत ने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए मालदीव को लगभग 4850 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। इससे दोनों देशों को लाभ होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत की वित्तीय सहायता मालदीव पर चीन के कर्ज के बोझ को कम करने में भी मदद करेगी। मालदीव पर 1 अरब डॉलर से अधिक का कर्ज है। मालदीव पूर्व में चीन और अन्य देशों को प्रति वर्ष 51 मिलियन डॉलर का भुगतान करता था। इस तरह। भारत की मदद से, यह राशि अब घटकर केवल 29 मिलियन डॉलर रह जाएगी। इससे चीन पर मालदीव की निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। मोदी की यात्रा ने उम्मीद जताई है कि मालदीव के नेता अब चीन द्वारा अपने देश की राजनीति को प्रभावित करने के लिए तैयार की जा रही रणनीति को समझेंगे। भारत ने मुइज़ू को चीनी प्रभाव से दूर रखकर पड़ोसी देश के साथ पुराने संबंधों को बहाल करने के लिए अभूतपूर्व धैर्य और कूटनीतिक कौशल दिखाया है। चीन समर्थक माने जाने वाले मुइज़ू ने भारत के साथ रक्षा सहयोग संबंधों को बहाल करने का संकेत दिया है और कोई भी जो भारत के सुरक्षा हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसने कार्रवाई न करने का भी वादा किया है। भौगोलिक रूप से, मालदीव को दुनिया का सबसे बिखरा हुआ देश कहा जाता है। इसे एक द्वीप से दूसरे द्वीप तक यात्रा करने के लिए नौका नाव का उपयोग करना पड़ता है। मालदीव 1965 में ब्रिटेन से राजनीतिक रूप से स्वतंत्र हो गया। स्वतंत्रता के तीन साल बाद, मालदीव एक संवैधानिक इस्लामी गणराज्य बन गया। स्वतंत्रता के बाद, मालदीव के लोगों की राजनीति और जीवन में इस्लाम का महत्वपूर्ण स्थान है।

2008 में मालदीव में इस्लाम राज्य धर्म बन गया। मालदीव दुनिया का सबसे छोटा इस्लामी देश है। 26 जुलाई मालदीव का 60वां स्वतंत्रता दिवस था। मोदी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। यह मोदी की मालदीव की तीसरी यात्रा है। अतीत में, मालदीव सरकार 'इंडिया फर्स्ट' नीति का पालन कर रही थी। लेकिन मुइज़ू ने इस नीति को समाप्त करने का वादा किया था। मुइज़ू ने चीन के साथ संबंधों को मजबूत किया था। भारत द्वारा 7.5 अरब डॉलर समृद्ध मालदीव को दिवालिया होने से बचाने के बाद मुइज़ू ने भारत के बारे में अपना दृष्टिकोण बदल दिया। मालदीव हिंद महासागर में प्रमुख समुद्री मार्गों के करीब है। ये मार्ग अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को आकर्षित करते हैं। ये मार्ग खाड़ी देशों से भारत को ऊर्जा प्रदान करते हैं। मालदीव के साथ भारत के बिगड़ते संबंधों को किसी भी तरह से अच्छा नहीं माना जाता था। और यह दृष्टिकोण रणनीतिक हितों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मालदीव के साथ अच्छे संबंध भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। भारत की समुद्री निगरानी में मालदीव का सहयोग भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मालदीव लक्षद्वीप से लगभग 700 किमी और मुख्य भूमि भारत से 1200 किमी दूर है। मालदीव में चीन का नौसैनिक अड्डा बनाना भारत के लिए सुरक्षा चुनौती है। अगर चीन दुनिया में मजबूत हो जाता है, तो उसके लिए युद्ध जैसी स्थिति में भारत तक पहुंचना बहुत आसान हो जाएगा। मालदीव में चीन के कई प्रोजेक्ट हैं। ऐसे में भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। मालदीव की जनता की राय अभी भी भारत के खिलाफ है। हालांकि, भारत ने मालदीव में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में निवेश किया है। इनमें से, ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना को चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने के तरीके के रूप में देखा जाता है।

चीन मालदीव में 200 मिलियन डॉलर का चीन-मालदीव मैत्री पुल बना रहा है। कई विश्लेषकों का मानना है कि मालदीव में चीन की बढ़ती उपस्थिति भारत की सुरक्षा के लिए खतरा है। मालदीव ने 4 मिलियन डॉलर में 50 साल के लिए चीन को पुरुष हवाई अड्डे के पास एक द्वीप पट्टे पर दिया है। चीन बेल्ट एंड रोड पहल पहल के हिस्से के रूप में हिंद महासागर में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है और मालदीव में कई परियोजनाओं पर काम कर रहा है। मालदीव, जिसने अब भारतीय सेना के लिए 'इंडिया फर्स्ट' नीति की घोषणा की है। मालदीव की भू-राजनीतिक स्थिति भारत और चीन दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। चीन की सहायता के बावजूद मालदीव को फिर से भारत के साथ दोस्ती क्यों करनी पड़ी, इसका जवाब अर्थव्यवस्था में है। मोदी और मोइज़ू की यात्रा के दौरान, रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर व्यापक चर्चा हुई। अब भारत और मालदीव के बीच संबंधों में एक नया अध्याय शुरू होगा। माना जा रहा है कि भारत द्वारा मालदीव के प्रति संयम का स्तर दिखाए जाने के बाद अब वह विश्वास की दोस्ती को आगे ले जाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो मालदीव के लिए सकारात्मक स्थिति पैदा करता रहेगा।

नजरिया

ग्रेटर बांग्लादेश : भारत के लिए बढ़ता वैचारिक खतरा

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

जब एक राष्ट्र की सीमाएं उसके पड़ोसी मुल्क की कल्पना में मिटाई जाने लगें और यह कल्पना सिर्फ नक्शों तक सीमित न रहकर उसे व्यवहारिक धरातल पर उतारने के लिए जब शैक्षणिक परिसरों, राजनीतिक मंचों और धार्मिक संस्थानों का उपयोग किया जाने लगे, तब यह केवल एक कल्पना तक सीमित रहनेवाला विषय नहीं रहता, बल्कि एक देश की अपनी पड़ोसी देश के प्रति वैचारिक युद्ध की शुरुआत होती है। इस संदर्भ में वर्तमान भारत अनेक मोर्चों पर वैचारिक और आर्थकि युद्ध का सामना करता हुआ दिखता है, जिसमें से एक उभरता हुआ वैचारिक मोर्चा जो सामने आया है, वह है सल्तनत-ए-बांग्ला। यह कोई साधारण संगठन नहीं, बल्कि एक ऐसी बहुआयामी परियोजना है जो ग्रेटर बांग्लादेश की परिकल्पना को आगे बढ़ा रही है और सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इसके पीछे तुर्किये, कतर और मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे वैश्विक इस्लामी नेटवर्क की प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष भूमिका सामने आई है। अभी इस घटना को बहुत दिन नहीं बीते हैं, वह तारीख 14 अप्रैल 2025 की है, जब ढाका विश्वविद्यालय में एक पोस्टर प्रदर्शित किया गया। इस पोस्टर में एक काल्पनिक ग्रेटर बांग्लादेश का नक्शा दर्शाया गया था, जिसमें कि भारत के असम, त्रिपुरा, बंगाल, झारखंड, ओडिशा और बिहार के कुछ हिस्सों के अलावा म्यांमार का अराकान क्षेत्र इसमें शामिल किया गया था। वस्तुत: यह केवल एक पोस्टर नहीं था, यह एक ऐसा वैचारिक घोषणापत्र था जो दक्षिण एशिया में इस्लामी राष्ट्रवाद के पुनरुत्थान की कल्पना को जमीनी आधार देने की कोशिश कर रहा है।

इस संबंध में विस्तार से जानकारी अब ओर गहराई से सामने आ सकी है। दरअसल, भारतीय संसद में विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने विस्तार से बताया है कि कैसे यह 'ग्रेटर बांग्लादेश' का विचार एक सोची-समझी 'आइडियोलॉजिकल इनसर्जेंसी' का हिस्सा है। सल्तनत-ए-बांग्ला को तुर्की के गैर-सरकारी संगठन टर्की यूथ फेडरेशन (टीवायएफ) से मिलने वाले सहयोग से आगे बढ़ाया जा रहा है। जिसमें कि ये संगठन ग्रामीण विकास और युवाओं के सशक्तिकरण जैसे उदार कार्यों में लगा दिखाई देता है, लेकिन इसके कामकाज का वास्तविक उद्देश्य 'इस्लामी जिहाद' के एजेंडे को विस्तार देना है। यह टीवायएफ'मुस्लिम ब्रदरहुड' से वैचारिक रूप से जुड़ा है और इसकी गतिविधियों में शिक्षा के नाम पर धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा देना प्रमुख रणनीति है। अब आप मुस्लिम ब्रदरहुड के बारे में भी समझ लीजिए; 1928 में मिस्र से इसकी शुरूआत है। संगठन केवल धार्मिक आंदोलन नहीं है, यह राजनीतिक इस्लाम की एक वैश्विक विचारधारा है जो किसी भी लोकतांत्रिक देश में जब पहुंचती है तो वहां के लोकतंत्र के ढांचे में रहकर इस्लामी सोच का पोषण करती है। एक ऐसी स्थिति पैदा करने का प्रयास करती है कि लोकतांत्रिक देश एक समय के बाद पूरी तरह से इस्लाम की सोच में बदल जाए और वहां शरीया कानून लागू हो जाए। वस्तुत: इसी सोच को ये 'टर्की यूथ फेडरेशन' के साथ मिलकर भारत और बांग्लादेश में इस्लामिक साम्राज्यवाद के नाम पर आज विस्तारित करता हुआ दिखता है। बांग्लादेश में 'सल्तनत-ए-बांग्ला' को 'टर्की यूथ फेडरेशन' से विचारधारात्मक मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता दोनों मिल रही है। बांग्लादेश के मदरसे और विश्वविद्यालय इसके प्रभाव में हैं। टर्की यूथ फेडरेशन ने बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी और हिज्ब-उत-तहरीर जैसे संगठनों को सशक्त किया है, जो भारत-विरोधी और इस्लामिक स्टेट की अवधारणा के हामी हैं। मार्च 2025 में हिज्ब-उत-तहरीर ने बांग्लादेश में एक 'खिलाफत मार्च' निकाला था, जिसमें खुलेआम कहा गया था कि दुनिया में मुस्लिमों की राजनीतिक सीमाएं नहीं होनी चाहिए। सल्तनत-ए-बांग्ला इसी 'सीमाहीन इस्लामी राष्ट्र' की अवधारणा को बंगाल की जमीन पर उतारने की कोशिश है। जिसमें कि 'टीवायएफ' समन्वय की अहम भूमिका निभाता दिखता है।

ये संगठन 'ग्रेटर बांग्लादेश' को केवल एक भौगोलिक विस्तार के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक-धार्मिक राज्य के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इसके एजेंडे में केवल क्षेत्रीय विस्तार नहीं, बल्कि भारत के अंदर धार्मिक ध्रुवीकरण और सामाजिक विखंडन पैदा करना भी शामिल है। इससे अधिक गंभीर बात यह है कि आज यह 'टीवाईएफ' भारत के भी कुछ कट्टरपंथी समूहों से संवाद करता हुआ नजर आता है। युरोपीय संसद के दस्तावेज़ों में यह उल्लेख है कि टर्की यूथ फेडरेशन (टीवायएफ) सहित कई टर्की के एनजीओस जकात (दान) और छात्रवृत्ति की आड़ में भारतीय मुसलमानों को कट्टरपंथी विचारों की ओर प्रेरित करते हैं। छात्रों को पाकिस्तान या अन्य नेटवर्क से जोड़ा जाता है, जहां उन्हें कट्टरतर विचारधारा से प्रभावित किया जाता है। तुर्किये भारत में आईएसआईएस सदस्यों की गतिविधियों में धन लगा रहा है, जो भारतीय मुसलमानों को कट्टरपंथी बनाने और 'तकनीकी जानकारी के हस्तांतरण' के माध्यम से बड़े पैमाने पर अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। अब तक जिन संस्थाओं का प्रमुखता से नाम सामने आया है, उसमें तुर्की सहयोग और समन्वय एजेंसी (टीआईकेए), यूनुस एमरे संस्थान (यूईआई), अंतरराष्ट्रीय मानवीय राहत फाउंडेशन (आईएचएच), तुर्की-पाकिस्तान सांस्कृतिक संघ और तुर्की डायस्पोरा युवा अकादमी (वाईटीबी) के शासी बोर्ड जैसे शैक्षणिक संस्थान और गैर-सरकारी संगठन शामिल हैं। ये सभी भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप को सुगम बनाने के लिए भारत के युवाओं को ही अपना हथियार बना रहे है। तुर्की के गैर-सरकारी संगठन भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त संगठनों को जकात दान के रूप में धन मुहैया करा रहे हैं।

रिपोर्टों में यह भी उल्लेख किया गया है कि बिलाल एर्दोगन के स्वामित्व वाले तुर्की यूथ फ़ाउंडेशन (टीयूजीवीए) के पाकिस्तान स्थित जमात-ए-इस्लामी (जेआई) और उसकी युवा शाखा या स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइज़ेशन (एसआईओ) जैसी पार्टियों और संस्थाओं से सीधे संबंध हैं। इसके अलावा, इस्लामी शैली की 'इरास्मस' योजना के तहत, भारतीय मुस्लिम छात्रों को तुर्किये लाया जा रहा है और पाकिस्तानी संगठनों से संपर्क कराया जा रहा है। ताकि वे 'ग्रेटर बांग्लादेश' और गजवा-ए-हिंद की सोच के लिए स्लीपर सेल बनकर भारत में रहते हुए काम करें। इन सभी संगठनों का उद्देश्य भारत के मुस्लिम समुदायों में यह भावना पैदा करना है कि उनकी पहचान भारतीय नहीं, इस्लामी है। यह देश की सामाजिक एकता के लिए दीर्घकालिक खतरा है। इस पूरे प्रकरण में सबसे नकारात्मक पक्ष यह है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस भी इनके साथ कहीं न कहीं मिले हुए दिखाई देते हैं, पिछले एक साल से यहां जो गैर मुसलमानों (हिंदू एवं अन्य) के विरोध में हिंसा हो रही है, उससे भी पता चल रहा है कि वे कट्टरपंथी तत्वों के इशारे पर काम कर रहे हैं। उनकी बेटी दीना अफरोज यूनुस का नाम 'सल्तनत-ए-बांग्ला' से आर्थिक संबंधों के सिलसिले में सामने आया है।

कहना होगा कि भारत के लिए यह एक ऐसे वैचारिक उभार का दौर है, जहां दुश्मन पारंपरिक हथियार नहीं, सोशल मीडिया, शिक्षा, संस्कृति और इतिहास को हथियार बना रहा है। यदि भारत इस चुनौती का सामना केवल आंतरिक नीति से करने की कोशिश करता है और इसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नहीं उठाता, तो यह संदेश जाएगा कि भारत अपने ही पड़ोस से उठती विचारधारात्मक चुनौती से अनभिज्ञ या असहाय है। इसलिए भारत को बांग्लादेश से इस मुद्दे पर स्पष्ट जवाब मांगना चाहिए। यदि जरूरत पड़े, तो इसे संयुक्त राष्ट्र, एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस (आसियान) और इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) जैसे मंचों पर भी उठाना चाहिए। इसके साथ ही आज यह भी जरूरी हो गया है कि सल्तनत-ए-बांग्ला और ग्रेटर बांग्लादेश जैसी अवधारणाएं भारत को उसकी सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक एकता पर पुनः विचार करने को विवश कर रही हैं। यह लड़ाई महज एक राष्ट्र के खिलाफ नहीं, एक लोकतांत्रिक भारतीय विचार दर्शन के विरोध में है । एक ऐसी इस्लामिक जिहादी लड़ाई जो विविधता को अस्वीकार करती है और धर्म (मजहब) के नाम पर एकरूपता थोपती है। इस समूह का एजेंडा न केवल भारत की भौगोलिक सीमाओं पर सवाल उठाना है, बल्कि उसकी सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक विविधता को चुनौती देना भी है। इसलिए भारत को चाहिए कि ग्रेटर बांग्लादेश की सोच का सफाया वह हर संभव प्रयास कर पूरी तरह से अतिशीघ्र करे, अन्यथा कल को यह सोच भारत के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती बन जाएगी । (साभार : हिं.स.)

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शनी

हैदराबाद में मंगलवार को बंजारा हिल्स में ग्रैंड फ़ैशन शोकेस में हाई-लाइफ़ प्रदर्शनी की तिथि की घोषणा के दौरान अभिनेत्रियाँ श्रवणति चोकारापु, रितिका चक्रवर्ती और निरुपमा, मॉडलों के साथ तस्वीर खिंचवाती हुईं।

आईटीआई लि. उप्र में भारत की पहली एआई-संचालित सड़क सुरक्षा पायलट परियोजना शुरू करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/लखनऊ/दक्षिण भारत। प्रमुख दूरसंचार विनिर्माण कंपनी आईटीआई लिमिटेड उत्तर प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और प्रवर्तन दक्षता में सुधार लाने के मकसद से एआई और बिग डेटा एनालिटिक्स-संचालित पायलट परियोजना शुरू करेगी। यह एआई परियोजना टेक्नोलॉजी फर्म एमलॉजिका के साथ साझेदारी में है। परियोजना मल्टी-सॉर्स डेटा के संग्रह और विश्लेषण का समर्थन करने के लिए एक स्केलेबल एनालिटिक्स फाउंडेशन विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिसमें यातायात प्रवाह डेटा, पर्यावरणीय डेटा, चालक का प्रदर्शन, वाहन का प्रदर्शन, दुर्घटना रिपोर्ट, दुर्घटना स्थल पर सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर समेत कईङ्क बिंदुओं को शामिल किया गया है।

बता दें कि आईटीआई लि. ने उप्र सरकार को सड़क दुर्घटनाओं के व्यापक मूल कारण विश्लेषण के लिए अपने कॉम्प्लेक्स इवेंट एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म के साथ एआई का लाभ उठाने की सिफारिश की थी। केंद्रीय सड़क

परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस पहल को मंजूरी दे दी है। छह सप्ताह के प्रोटोटाइप चरण में दुर्घटना रिकॉर्ड, मौसम डेटा, वाहन टेलीमैटिक्स, चालक हिस्ट्री और सड़क विवरण को शामिल किया जाएगा, ताकि दुर्घटना ब्लैक स्पॉट की भविष्यवाणी करने, मूल कारणों की पहचान करने और रीयल टाइम पॉलिसी डैशबोर्ड बनाने में सक्षम एआई मॉडल विकसित किए जा सकें।

सफल परीक्षण के बाद एआई सिस्टम को मुख्य परिवहन कार्यों में लागू किया जाएगा, जिसमें फेसलेस लाइसेंसिंग और परमिट, रेवेन्यू कलेक्शन, ई-चालान संचालन, मॉडर्न एनफॉर्समेंट और वाहन सारथी रजिस्ट्री शामिल हैं। इस अवसर पर आईटीआई लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजेश राय ने कहा, 'हम एआई संचालित यातायात प्रबंधन के इस नए क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए बहुत उत्साहित हैं और इस बात से बहुत खुश हैं कि उप्र सरकार ने यातायात प्रबंधन के लिए हमारे मॉडल को परीक्षण के रूप में चुना है। मैं अत्यंत गर्व के साथ यह कहना चाहता हूं कि आईटीआई लि. को अब देशभर की राज्य सरकारों द्वारा उनकी ई-गवर्नेंस पहलों को मजबूत करने के लिए सूचना एवं संचार टेक्नोलॉजी (आईसीटी) सेवाओं का पूरा स्पेक्ट्रम उपलब्ध कराने के लिए विश्वसनीय भागीदार के रूप में देखा जा रहा है।' राय ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि यह एआई परियोजना सुचारु यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने और किसी भी दुर्घटना को रोकने में काफी मददगार साबित होगी। हमारी टीम के मजबूत, एआई-संचालित विश्लेषण और डेटा फाउंडेशन का मकसद राज्यभर में सड़क दुर्घटना से होने वाली मौतों को काफी कम करना है। मुझे उम्मीद है कि यह मॉडल एक बेंचमार्क बन जाएगा।' उल्लेखनीय है कि आईटीआई लि. महाराष्ट्र की ग्राम पंचायतों में आपले सरकार सेवा केंद्र परियोजना का क्रियान्वयन कर रही है। उसने हाल में ओडिशा और छत्तीसगढ़ में लगभग 88 करोड़ रुपए मूल्य के सीसीटीवी निगरानी और जीआईएस आधारित भूमि इंटेलीजेंस मैनेजमेंट सिस्टम अनुबंध हासिल किए हैं।

इमरान खान की जेल से रिहाई की मांग को लेकर पाकिस्तान में उनकी पार्टी ने जगह-जगह प्रदर्शन किया

इस्लामाबाद/लाहौर/भाषा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने दो साल पहले भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार कर लिए गए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग करते हुए मंगलवार को देश के विभिन्न हिस्सों में विरोध रैलियां निकालीं।

पार्टी ने दावा किया कि सड़कों पर उतरे उसके 500 से अधिक कार्यकर्ताओं और समर्थकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया जिनमें से अधिकतर पंजाब प्रांत से थे।

खान (72) को भ्रष्टाचार के एक मामले में अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद पांच अगस्त, 2023 को लाहौर स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद से ही उन्हें अन्य मामलों में दोषी ठहराए जाने के कारण रावलपिंडी की अडियाला जेल में रखा गया है।

विरोध प्रदर्शन का आह्वान खान ने किया था। उनकी पार्टी ने दावा किया कि जेल में बंद नेता के समर्थक बड़ी संख्या में बाहर आकर इसका समर्थन कर रहे हैं।

पार्टी के वरिष्ठ नेता जुल्फी बुखारी ने एक बयान में कहा, आज पांच अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल में बंद किए जाने की दूसरी वर्षगांठ है। उनके सभी बुनियादी मानवाधिकार छीन लिए गए हैं, उनकी कानूनी टीम या परिवार तक कोई पहुंच नहीं है या बहुत सीमित पहुंच है तथा कभी-कभार कुछ लोगों से मिलने के अलावा उनकी अपनी पार्टी के राजनीतिक नेतृत्व तक कोई पहुंच नहीं है। उन्होंने कहा, अकेले पंजाब में अब तक 500 से अधिक पीटीआई नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से अधिकतर लाहौर से हैं। इन गिरफ्तार लोगों में कई सांसद भी शामिल हैं।

सत्यपाल मलिक का राजनीतिक सफर: वफादार से विवादास्पद आलोचक तक

नई दिल्ली/भाषा। अनुभवी नेता सत्यपाल मलिक का पांच दशक लंबा राजनीतिक करियर कई राजनीतिक दलों से गुजरा और वह इस दौरान कई उच्च-स्तरीय संवैधानिक पदों पर भी रहे जिसके बाद वह उसी सत्ता प्रतिष्ठान के मुखर आलोचक बन गए जिसकी उन्होंने सेवा की थी। उन्होंने चार राज्यों - बिहार (2017), जम्मू और कश्मीर (2018), गोवा (2019) और मेघालय (2020) के राज्यपाल के रूप में कार्य किया। लेकिन उनका सबसे प्रभावशाली कार्यकाल अगस्त 2018 में शुरू हुआ, जब उन्हें जम्मू और कश्मीर का राज्यपाल नियुक्त किया गया।

इस कार्यकाल में दो महत्वपूर्ण घटनाएं घटीं। पहला, 2019 का पुलवामा आतंकवादी हमला जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए तथा दूसरा, पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद

370 को निष्प्रभावी बना दिया गया तथा तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों--जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया। मलिक जम्मू-कश्मीर राज्य के अंतिम राज्यपाल थे।

मलिक (79) कुछ समय से यहां एक अस्पताल में भर्ती थे और मंगलवार को उनका निधन हो गया। वर्ष 2019 में आज के ही दिन अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बनाया गया था।

यद्यपि वह भाजपा में एक वफादार के रूप में प्रमुखता से उभरे, लेकिन हाल के वर्षों में उनकी पहचान केंद्र सरकार की नीतियों के मुखर आलोचक के रूप में होने लगी थी, जिससे उनकी सार्वजनिक छवि एक अनुभवी प्रशासक से एक मुखर असंतुष्ट की बन गई थी।

जम्मू-कश्मीर से उन्हें गोवा स्थानांतरित कर दिया गया था, जहां राज्य सरकार के साथ उनके रिश्ते खराब हो गए क्योंकि उन्होंने कोविड-19 से निपटने के उनके प्रयासों की खुलेआम आलोचना की और उस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। गोवा से उन्हें मेघालय भेज दिया गया जो बतौर राज्यपाल उनका अंतिम कार्यभार था। राज्यपाल पद से सेवानिवृत्त होने पर, उन्होंने महत्वपूर्ण मामलों पर सार्वजनिक रूप से केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने यह भी कहा था कि पुलवामा हमला सरकारी उदासीनता का परिणाम था। उन्होंने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध का मुखर समर्थन किया।

अरमान मलिक की आवाज के मुरीद हुए इक्का, बोले- 'कुछ जादू सा है'

मुंबई/एजेन्सी

सिंगर अरमान मलिक और हिप-हॉप सिंगर इक्का का नया गाना 'मेबी' मंगलवार को रिलीज हो चुका है, जो नए प्यार की उमंग और रोमांच को खूबसूरती से पेश करता है। इक्का ने अपने साथी अरमान की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी आवाज शानदार है। 'मेबी' गाना रॉयल स्टैग पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर बूमबॉक्स का हिस्सा है, जो एक अनूठा म्यूजिकल प्लेटफॉर्म है। गाना मधुर है और संगीत इसे खास बनाता है। इक्का ने गाने के बारे में कहा, 'मेबी' मेरे पिछले गानों से अलग है और यही इसे रोमांचक बनाता है। इस गाने में हमने रोमांस को मजेदार अंदाज में पेश किया है। अरमान की आवाज शानदार है, जिसने गाने को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने बताया कि यह गाना सुनने वालों को खुशी देता है और प्यार में पड़ने के उस खास

अहसास को याद दिलाता है। इक्का को इस सहयोग पर गर्व है।

अरमान मलिक ने भी गाने की तारीफ की और कहा, 'मेबी' में खास तरह की एनर्जी है, जो पहली धुन से ही महसूस होती है। यह मेरे लिए एक नया अनुभव है। मैं इक्का के साथ पहली बार काम कर रहा हूं और उनके साथ काम करना बेहद सहज रहा। हमने कुछ भी जबरदस्ती नहीं किया और यह गाने में साफ झलकता है। इक्का ने अपने करियर की शुरुआत रैपर रफ्तार और लिल गोलू के साथ की थी। बाद में वह यो यो हनी सिंह के 'माफिया मुंदीर ग्रुप' का हिस्सा बने। साल 2016 में उनका गाना 'हाल्फ विंडो डाउन' हिट रहा, जो पहले दिलजीत दोसांझ के लिए लिखा गया था। साल 2020 में उन्होंने मास अपील इंडिया के तहत अपना पहला सोलो एल्बम 'आई' रिलीज किया। इसके बाद साल 2014 में उन्होंने फिल्म 'तमंचे' के गाने 'इन द क्लब' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इक्का साल 2024 में एमटीवी हसल में रफ्तार के साथ जज के रूप में नजर आए। अरमान के बारे में बता दें कि उन्होंने चार साल की उम्र से गायन शुरू किया और साल 2007 में 'तारे जमीन पर' के गाने 'बम बम बोले' से बॉलीवुड में बतौर बाल गायक डेब्यू किया। उनके लोकप्रिय गाने 'बोल दो ना जरा' (अजहर), 'मैं हूं हीरो तेरा' (हीरो), 'बेसब्रियां' और 'जब तक' (एम.एस. धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी) हैं।

'रांझणा' के एआई संस्करण ने मुझे विचलित कर दिया: धनुष

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता धनुष ने अपनी फिल्म 'रांझणा' के एआई की मदद से बनाए गए अंतिम दृश्य पर असंतोष जताया और कहा कि यह संस्करण उस फिल्म से अलग है, जिससे उन्होंने 12 साल पहले बॉलीवुड में शुरुआत की थी। साल 2013 में रिलीज हुई 'रांझणा' का निर्देशन आनंद एल राय ने किया था और इसमें सोनम कपूर भी मुख्य भूमिका में थीं। हाल में फिल्म को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज किया गया, लेकिन इस बार इसका अंत कृत्रिम बुद्धिमत्ता या आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से बदल दिया गया, जिसे लेकर दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आई है। अभिनेता धनुष ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस नए संस्करण ने ''फिल्म की आत्मा को छीन लिया है।'' उनके अनुसार, उन्होंने पहले ही इसके खिलाफ आपत्ति जताई थी। रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में 42 वर्षीय अभिनेता ने लिखा, ''एआई से बदले गए क्लाइमैक्स के साथ 'रांझणा' की पुन: रिलीज ने मुझे पूरी तरह से विचलित कर दिया है। इस वैकल्पिक अंत ने फिल्म की आत्मा को ही छीन लिया है और मेरी स्पष्ट आपत्ति के बावजूद संबंधित पक्षों ने इसे बनाया। यह वह फिल्म नहीं है, जिसमें मैंने 12 साल पहले काम किया था।'' धनुष ने कहा कि इस

तरह की प्रक्रिया ''कहानी कहने की ईमानदारी'' के लिए खतरा है। उन्होंने लिखा, ''फिल्मों या सामग्री को बदलने के लिए एआई का इस्तेमाल करना कला और कलाकारों दोनों के लिए बेहद चिंताजनक परंपरा है। यह कहानी कहने की ईमानदारी और सिनेमा की विरासत को खतरे में डालता है। मैं गंभीरतापूर्व आशा करता हूं कि भविष्य में इस तरह के चलन को रोकने के लिए सख्त नियम बनाए जाएंगे।'' फिल्म की कहानी बनारस और दिल्ली की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें कुंदन (धनुष) नामक हिंदू लड़का ज़ोया (सोनम कपूर) नामक मुस्लिम लड़की से बचपन से प्रेम करता है। फिल्म के मूल संस्करण में क्लाइमैक्स के दौरान कुंदन एक रैली में गोली लगने के बाद अस्पताल में दम तोड़ देता है। एआई द्वारा बदले गए संस्करण में उसका अंत बदल दिया गया है और वह जीवित रहता है।

निर्देशक आनंद एल राय पहले ही निर्माता और वितरक कंपनी इरोज द्वारा रिलीज किए गए नए संस्करण की आलोचना कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि फिल्म को एक नए अंतिम दृश्य की जरूरत नहीं थी और वह पहले से ही एक बेहतरीन फिल्म है। वहीं, इरोज ने जवाब में कहा था कि कंपनी हमेशा नई तकनीकों को अपनाने में अग्रणी रही है और वैकल्पिक अंत का उद्देश्य दर्शकों की भागीदारी को बढ़ाना और एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करना है। उसने यह भी कहा कि इसे ''वैकल्पिक संस्करण'' के रूप में दिखाया गया है। 'रांझणा' की पटकथा हिमांशु शर्मा ने लिखी थी। फिल्म में अभय देओल, स्वरा भास्कर और मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब भी अहम भूमिकाओं में हैं।

शाहरुख खान को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर उठे सवालों को मुकेश खन्ना ने बताया बेतुका

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मुकेश खन्ना ने हाल ही में शाहरुख खान को उनकी फिल्म 'जवान' के लिए मिले राष्ट्रीय पुरस्कार पर उठे सवालों पर प्रतिक्रिया दी। खन्ना ने कहा कि यह सवाल उठाने का कोई तुक नहीं है कि शाहरुख खान को राष्ट्रीय पुरस्कार क्यों मिला। वह पिछले 40 वर्षों से कड़ी मेहनत कर रहे हैं। साउथ अभिनेत्री उर्वशी ने शाहरुख खान को राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाने पर सवाल उठाए और जूरी के फैसले की निष्पक्षता पर संदेह जताया। उर्वशी ने सवाल किया कि शाहरुख खान को राष्ट्रीय पुरस्कार के तौर पर चुनने के लिए कौन से मापदंड अपनाए गए? मुकेश खन्ना ने इस बारे में अपनी राय रखते हुए आईएएनएस से कहा कि यह पुरस्कार किसी अभिनेता के पूरे करियर को सम्मानित करने के रूप में दिया जाता है, और शाहरुख खान को 40 साल के अपने फिल्मी सफर के बाद यह सम्मान मिलना पूरी तरह से उचित है।

उन्होंने कहा, जो लोग कह रहे हैं कि शाहरुख खान को इस फिल्म के लिए नहीं, बल्कि 'स्वदेश' के लिए पुरस्कार मिलना

चाहिए था। उन्हें यह समझना चाहिए कि किसी भी बड़े कलाकार के पूरे करियर को एक पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, जैसे ए.आर. रहमान को 'जय हो' के लिए ऑस्कर मिला, तो क्या किसी ने यह सवाल किया कि उन्हें पहले के शानदार संगीत के लिए क्यों नहीं यह सम्मान मिला? उनका कहना है कि पुरस्कारों का मूल्यांकन हमेशा एक कलाकार के पूरे योगदान और उसकी कड़ी मेहनत को देखते हुए किया जाता है, न कि किसी एक फिल्म के आधार पर। मुकेश खन्ना ने कहा, शाहरुख खान को यह पुरस्कार मिलने के बाद कुछ लोग इस पर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन यह किसी की सफलता पर सवाल उठाने का नहीं, बल्कि उनके संघर्ष और कड़ी मेहनत का सम्मान करने का अवसर है।

प्रदर्शन

बैंक पेंशनभोगियों और सेवानिवृत्त लोगों के समन्वय संगठन (सीबीपीआरओ) के बैनर तले सेवानिवृत्त बैंक अधिकारियों ने मंगलवार को अहमदाबाद में लंबे समय से लंबित पेंशन संशोधन की मांग को लेकर एक दिवसीय भूख हड़ताल के दौरान प्ले कार्ड और पोस्टर लिए नारे लगाए।

'सन ऑफ सरदार 2' के बाद अब 'तेहरान' में धमाल मचाएंगी नीरू बाजवा

मुंबई/भाषा

पंजाबी सिनेमा की क्वीन नीरू बाजवा ने हाल ही में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन की पत्नी का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता। अब वह एक और हिंदी फिल्म 'तेहरान' में जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर के साथ नजर आएंगी।यह फिल्म 14 अगस्त को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। नीरू के प्रशंसकों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका है, क्योंकि वह एक के बाद एक हिंदी फिल्मों में अपनी छाप छोड़ रही हैं। नीरू ने 'तेहरान' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए बताया कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के बारे में भी हिंट दिया। नीरू ने अपने किरदार को मजबूत और नैतिकता से भरा हुआ बताया, जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहता है। उन्होंने कहा, लगातार हिंदी फिल्मों में काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव है।

'सन ऑफ सरदार 2' एक कॉमेडी फिल्म थी, जबकि 'तेहरान' में मेरा किरदार गंभीर, भावनात्मक और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाला है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताना जरूरी है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

नीरू अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करती नजर आईं। उन्होंने कहा, जॉन के साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा। वह एक ड्रीम को-एक्टर हैं, जो अपने किरदार में गहराई और प्रामाणिकता लाते हैं। उनके साथ काम करने से मेरा प्रदर्शन भी बेहतर हुआ। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमें एक साथ पर्दे पर देखना पसंद करेंगे। 'तेहरान' एक जियो-पॉलिटिकल फिल्म है, जो साल 2012 में दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास हुए बम विस्फोट से प्रेरित है।

फिल्म में जॉन अब्राहम एसीपी राजीव कुमार की भूमिका में हैं, जो एक गुप्त ऑपरेशन में शामिल होता है। यह कहानी न केवल एक्शन और ड्रामा से भरपूर है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति और नैतिक दुविधाओं को भी उजागर करती है। 'तेहरान' का निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है और इसे मैडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में नीरू बाजवा और जॉन अब्राहम के साथ मानुषी छिल्लर और मधुरिमा तुली भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। 'तेहरान' स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जी5 पर स्ट्रीम होगी।

'सैयारा' फिल्म देखकर रोते हुए सिनेमाघर से बाहर निकलना कैसा अनुभव रहा : मोहित सूरी

नई दिल्ली/भाषा

फिल्म निर्देशक मोहित सूरी हर शाम दो घंटे उन लोगों के संदेश और फोन का जवाब देने में बिताते हैं, जिन्होंने हाल ही में 'सैयारा' फिल्म देखी है। उनकी इस फिल्म को बड़े पर्दे पर रोमांस को वापस लाने का श्रेय दिया जा रहा है। वह केवल एक ही बात जानने के लिए उत्सुक हैं कि क्या संदेश भेजने वाले और फोन करने वाले लोग फिल्म देखते समय रोये थे? दो नये कलाकारों, अभिनेता अहान पांडे और अभिनेत्री अनीत पड्डा की यह फिल्म काफी लोकप्रिय हो गई है। कई लोग इसे 'आशिकी 2' और अभिनेता इमरान हाशमी की फिल्म 'हमारी अधूरी कहानी' के लिए मशहूर निर्देशक सूरी तथा रोमांटिक कहानियों के लिए प्रसिद्ध बैनर

यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) के बीच एक बेहतरीन जोड़ी कह रहे हैं।

फिल्म 'सैयारा' ने 18 जुलाई को रिलीज होने के बाद से 300 करोड़ रुपए कमा लिये हैं और सूरी शीर्ष पर हैं। सूरी ने 2005 में हाशमी अभिनीत फिल्म 'जहर' से अपने करियर की शुरुआत की थी, जिसके बाद उन्होंने 'कलयुग', 'वो लम्हे' और 'एक विलेन' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया था। सूरी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''जब मैं घर जाता हूं, तो अपनी पत्नी से कहता हूं कि मुझे दो घंटे दे दो क्योंकि शाम का शो खत्म होने वाला है और सब लोग फोन पर हैं। मैं सबका फोन उठाना चाहता हूं। मैं पूछना चाहता हूं कि उन्हें फिल्म कैसी लगी। जब वे रोते हुए सिनेमाघर से बाहर निकले तो उन्होंने क्या महसूस किया?'' 'सैयारा' एक उभरती हुई संगीतकार और एक गीतकार के इर्द-गिर्द घूमती कहानी है। संगीतकार को बहुत अधिक गुस्सा आता है और गीतकार अपने टूटे दिल से उबरने की कोशिश कर रही है। सूरी पहले इस फिल्म को अपनी 2013 की फिल्म 'आशिकी 2' के सीक्वल के रूप में बनाने के लिए बातचीत कर रहे थे, जिसमें आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में थे, लेकिन बाद में वाईआरएफ के साथ बात बन गई। अनुराग बसु कार्तिक आर्यन की मुख्य भूमिका वाली 'आशिकी 3' का निर्देशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''फिल्म 'आशिकी 3' वाली बात... अभी शुरुआती दौर में थी। उन्होंने ('आशिकी 3' के निर्माताओं ने) मुझसे पूछा था कि क्या मैं इसे बनाने में दिलचस्पी रखूंगा। यही मेरा आइडिया था, लेकिन मैं तब तक किसी चीज़ के लिए प्रतिबद्ध नहीं होता जब तक मेरे पास स्क्रिप्ट तैयार न हो। वे शुरुआत करने की जल्दी में थे, इसलिए जब अनुराग ने इसे संभाला तो मुझे बहुत खुशी हुई, लेकिन मैं इस प्रक्रिया में जल्दबाज़ी नहीं कर सकता था।''

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

गृहस्थ आग का गोला है। वह बोले बिना नहीं रह सकता। साधु को गोचरी मिले तो संयम वृत्ति, न मिले तो तप वृत्ति अपनानी चाहिए। वे स्वाद के लिए नहीं, संयम के लिए ग्रहण करते हैं। साधु के लिए प्रमाण से अधिक या विगई का सेवन करना अकल्पित है। जो साधु छोटी बातों पर गुस्सा करें, स्वाद के अनुसार भोजन करे, मनमानी करे, उनके समीप नहीं रहना चाहिए। साथ ही यह भी कहा, साधु अपने आचरण से गिरे तो उनका प्रचार नहीं करना चाहिए, उन्हें नीचा दिखाना भी अनुचित है।

मदुरै रेल प्रबंधक का प्रवासियों ने किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। मदुरै प्रवासी संगठन की ओर से मदुरै मंडल के नए मंडल रेल प्रबंधक ओम प्रकाश मीणा का किया सम्मान किया गया। मदुरै प्रजापत समाज के अध्यक्ष पुनमाराम प्रजापत, तेरापंथ सभा के वरिष्ठ सदस्य मोहनलाल तातेड़, वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के उपाध्यक्ष सायरमल भंड़ारी, अशोककुमार प्रजापत, भाजपा मदुरै जिला राष्ट्रीय भाषा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दिनेश सालेचा, मदुरै भाजपा युवा कार्यकर्ता भगाराम प्रजापत आदि ने मीणा का सम्मान किया।

कोई बुरा करे तो भी भले की भावना रखना चाहिए : डॉ. समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. समकित मुनिजी ने प्रवचन में कहा कि जब हम आटा चक्की (घाटी) पर गेहूं पीसते हैं, लाखों दाने डालते हैं, तब कुछ दाने ऐसे होते हैं जो पिसने से बच जाते हैं। ये वही दाने होते हैं जिन्होंने किल यानी केंद्र को पकड़ रखा होता है। उन्होंने समझाया कि – केंद्र यानी किल धर्म है और चक्की यानी पाट संसार है, जो भी धर्म का सहारा लेता है, वह चाहे लाख बार जीवन की परिस्थितियों में घूमे, फिर भी पिसता नहीं। लेकिन जो केवल संसार (पाट) का सहारा लेते हैं, वे अंततः पीस जाते हैं।

उन्होंने कहा कि धर्म ही वो किल है जो मनुष्य को संसार सागर में डूबने से बचाता है। अपने ही लोग, अपने ही संबंधी, अपने ही सगे संबंधी जीवन में वनवास दे देते हैं। पाट के सहारे रहने वाले कभी भी शांति से नहीं रह सकते, क्योंकि पाट का काम ही पीसना है। मुनिजी ने कहा कि आज का समय धर्म का पुजारी बनने का है। जब भी हमारे आस-पास संयम की भावना जागे, उसे तोड़ना नहीं चाहिए बल्कि धर्म का साथ देना चाहिए। संसार का भरोसा मत करो, यह पाट है, ये हमें कभी मोक्ष का रास्ता नहीं दिखा सकता। हमें धर्म से ही जुड़ना चाहिए और दूसरों को भी जोड़ना चाहिए।

अपने प्रवचन में उन्होंने कहा कि अक्सर हम सामने वाले के व्यवहार को अपने हिसाब से समझते हैं। सोचते हैं कि मैं ऐसा करूंगा तो वो ऐसा सोचेगा। लेकिन ये अनुमान हमेशा सही नहीं होते। समकित यात्रा की पहली पहचान है कि कोई हमारे साथ बुरा करे, तब भी हम उसके प्रति अच्छा सोचें।उन्होंने कहा कि दीन-दुखियों पर दया करना आसान है, लेकिन शत्रु पर दया करना ही सच्चा धर्म है। जैसे जब कैकेयी ने अयोध्या को संकट में डाला, तब भी श्रीराम ने उनके प्रति द्वेष नहीं रखा। कैकेयी ने स्वयं श्रीराम से क्षमा मांगते हुए कहा कि वह जानती हैं कि वह क्षमा योग्य नहीं हैं, लेकिन उन्होंने बस इतनी प्रार्थना की कि उन्हें भरत की माता बने रहने देना। श्रीराम ने उन्हें हमेशा माता का सम्मान दिया, क्योंकि जो बुराई में भी अच्छाई देखे, वही सच्चा राम होता है। मुनिजी ने स्पष्ट किया कि बुरा करने वाले के लिए भी मन में भले की भावना रखना ही समकित यात्रा की पहली पहचान है। इस अवसर पर अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा, आनंद भंसाली, लैलेशकुमार कांकरिया उपस्थित रहे। मंच संचालन मंत्री विनयचन्द पावेचा ने किया।

कर्मों की निर्जरा हेतु धर्म आराधना अवश्य करना चाहिए : संत वीरेंद्रमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के सैदापेट स्थित एसएस जैन संघ स्थानक में विराजित संतश्री वीरेन्द्र मुनिजी ने कहा कि मनुष्यों को अपने जीवन काल को व्यतीत करने के लिए कही सारे कार्य, साधन, वस्तुओं का संग्रह करना पड़ता है जिसमे कुछ चीजें पाप के भागी होते हैं इसीलिए भगवान ने व्रतों के पालन का मार्ग बताया है और कर्म निर्जरा के लिए धर्म आराधना, तप जप त्याग इन सबको अवश्य करना चाहिए और कम से कम जितना हो सके सामायिक तो करनी ही चाहिए, तभी हमारे आत्मा का उद्धार हो सकता है। दान – पुण्य करना चाहिए और मन, वचन, काया से भी पुण्य का उपार्जन कर सकते हैं। सातवें व्रत के विषय में आगार अतिचार में बताया कि जिस काम या व्यवसाय में जीवों की हिंसा या पाप लगता हो वह कार्य नहीं करने चाहिए। रेशम की साड़ी या कपड़े, चमड़े का व्यवसाय, कीटनाशक इत्यादि का व्यवसाय नहीं करना चाहिए और इन चीजों का भी उपयोग नहीं करना चाहिए। शराब का व्यवसाय करने वाले और सेवन करने वाले दोनों महापाप के भागी होते हैं, दोनों को बर्बादी की और ले जाता हैं। मंत्री राजेंद्र लुंकड़ ने मंच संचालन करते हुए दैनिक कार्यक्रम की जानकारी दी।

जो अपनी गलती को मानकर सुधार करें वह सच्चा श्रावक : साध्वी प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के कोयम्बटूर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में चातुमासार्थ विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी ने कहा कि गणांग सूत्र में परमात्मा` महावीर स्वामी ने चार प्रकार के गोले का वर्णन बताया है। मक्खन का गोला अर्थात पहले प्रकार के श्रावक ताप व संताप लगाने से पिघल जाते थे। दूसरा लाख का गोला अर्थात कुछ तकलीफ आई और थोड़ी देर बाद वह पिघल जाता है। तीसरा लकड़ी का गोला अर्थात लकड़ी को अग्नि से बाहर रखेंगे तो भी गोले को कुछ नहीं होगा। चौथा मिट्टी का गोला अर्थात गोले को अगर आग में डालोगे तो वह और मजबूत होगा। श्रावक को भी मिट्टी के गोले के समान होना

चाहिए। हमारी श्रद्धा सुदेव, सुगुरु, सुधर्म के प्रति मजबूत श्रद्धा होना चाहिए। सम्यकदर्शन मजबूत होनी चाहिए। साध्वी प्रदषिताश्रीजी ने कहा कि हमारे जीवन में से गलती को ढूंढ कर दूर करना चाहिए। खुद की गलती स्वीकार करनी चाहिए। जीवन में हर व्यक्ति परफेक्ट नहीं होता है। सुनील हिंगड़ ने धन्यवाद दिया।

न्याय का जहां पर निवास है वहां पर सत्य अहिंसा करना प्रेम सद्भाव है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के साहुकारपेट स्थित जैन स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि साधना, त्याग, तपस्या करना फिर भी सरल हो सकता है, परंतु न्याय पर चलना, न्याय का प्रतिपादन करना और उसकी रक्षा करना, नंगे पांव नंगी तलवार पर चलने के समान अत्यंत कठिन कार्य है।

उन्होंने कहा कि न्याय से बढ़कर और कोई धर्म, गुरु और भगवान नहीं हो सकता इसी में सब का निवास है। उन्होंने कहा कि सभी महापुरुषों ने न्याय और नीति का पालन करते हुए उस पर चलने वाले को ही धर्म का सच्चा उत्तराधिकारी बताया है। न्याय का जहां पर निवास है वहां पर सत्य अहिंसा करना प्रेम सद्भाव है। मुनि कमलेशजी ने बताया कि अपने पराए, उच्च-नीच, गरीब-अमीर, राजा और रंक के भेदभाव से ऊपर उठकर सभी को समान भाव से न्याय प्रदान करता है वह परमात्मा का दूसरा रूप है। राष्ट्रसंत ने बताया कि वर्तमान में धार्मिकता की दुहाई देने वालों कर्मकांड की उपासना पद्धति करने वालों के जीवन के में न्याय के दर्शन दुर्लभ नजर आ रहे हैं। यह अत्यंत गंभीर विषय है न्याय की पगडंडी पर चलकर ही धर्म और मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश और अदालत की जिम्मेदारी है।

जैन संत ने कहा कि शेर आदि जंगली जानवर उनकी रक्षा के लिए सरकार वन अभ्यारण बना रही है, पानी की तरह पैसा खर्च कर रही है, कबूतर को भूखे मरने को मजबूर कर रही है यह कहां का न्याय है। अंत में कहा कि संविधान में पर्यावरण कानून में प्रत्येक प्राणी की रक्षा करना सरकार का उत्तरदायित्व है। पर्यावरण की रक्षा में सबका योग ऑक्सीजन से महत्वपूर्ण है। कबूतर के पंखों की हवा से लकवा ग्रस्त बीमार ठीक हो जाते हैं। उनकी सेवा करने पर दया करना और सेवा के संस्कार निर्माण होते हैं। कौशल मुनिजी, घनश्याम मुनिजी ने मंगलाचरण किया। अक्षत मुनिजी व सक्षम मुनिजी ने विचार व्यक्त किए।

सीआर ड़िजीटल व एक्सरे मशीन का हुआ उद्‌घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भगवान महावीर वेलफेयर एसोसिएशन, पेरम्बूर के तत्वावधान में युवाचार्य मधुकर मुनि जैन हॉस्पिटल के प्रांगण में अत्याधुनिक एक्स-रे मशीन का उद्‌घाटन मनोहरमा देवी मोदी एवं सीआर डिजिटल का उद्‌घाटन शांतिलाल सिंघवी द्वारा किया गया। इस नई तकनीक से मरीजों को बेहतर और उन्नत चिकित्सा सेवा मिलेगी। अध्यक्ष पारसमल सुराणा ने स्वागत किया। मंत्री चेतन पटवा ने अस्पताल की दैनिक गतिविधियों की जानकारी दी। सहमंत्री अजीत गोठी ने धन्यवाद दिया । इस मौके पर उपाध्यक्ष विजय तातेड़, सहमंत्री गौतम सकलेचा, कोषाध्यक्ष भंवरलाल खींवसरा, इंदरचंद विनायकिया, मदनलाल कुंकुलोल, आनंद हिंगड़ आदि उपस्थित थे।

आत्मा अनमोल है और उसका अस्तित्व अकेले में है : साध्वी इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वीश्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि आत्मा अनमोल है और आत्मा का अस्तित्व अकेले में है। संसार के रिश्ते शरीर से संबंधित होते हैं। यह मानव भव मात्र एक भ्रमण है। यहां से हम चाहें तो अनंत भवों की यात्रा का अंत भी कर सकते हैं और चाहें तो और बढ़ा भी सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह जगत एक मेला, एक धर्मशाला है, बाकी सब झमेला है। किसी के कफन में जेब नहीं होता है तो हम क्यों पेटी और पीढ़ी की चिंता करते हैं।संसार में सीमित व्यापार रखें। अनेकों से संपर्क होगा तो संघर्ष भी होगा। बस इस भव भ्रमण को विश्राम स्थल माने और आगे की अर्थात मोक्ष की तैयारी करें। साध्वी वृद्धिप्रभाजी ने कहा कि मात्र सोचने से भी कल्याण नहीं हो सकता है। हमारा पराक्रम भी वैसा होना चाहिए। आचार्य जयमल जी ने मानव मात्र के कल्याण के लिए अनेक तप किए, परिषह सहे और जीवन काल में 700 मुमुक्षों को दीक्षा दी। हमें भी अपने जीवन और गति की चिंता करनी चाहिए और अनंत काल से चल रही यात्रा को विराम देने का पुरुषार्थ करना चाहिए। प्रवचन सभा में चेन्नई आदि स्थानों से श्रावक श्राविका उपस्थित थे। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। सभा में निधि कोठारी ने 8 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने तपस्वी का सम्मान किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

विनय-विवेक से साधु व श्रावक का जीवन निर्मल बनता है : पंन्यासश्री विमलपुण्यविजय

किलपॉक जैन संघ में प्रवचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित पंन्यास विमल पुण्यविजयजी ने मंगलवार को धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में विवेक आवश्यक है। बहुत कुछ जानने, सुनने और देखने के बावजूद यदि दोषदृष्टि रहे तो वह आत्मकल्याण में बाधक बनती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समकिती जीव को भी उसके कर्म नीचे गिरा सकते हैं, यदि वह सद्भावना और विवेक से विहीन हो। पंन्यासश्री ने गुरु को दोष नहीं लगे, उसकी विवेचना करते हुए कहा कि श्रावकों की मर्यादा भंग होने से साधु भी आचार से गिर सकते हैं। कई बार साधु के नीचे गिरने का कारण श्रावक की अविवेकी क्रियाएं होती हैं। सम्यक दर्शन और ज्ञान पास में रहते हुए भी उन्हें जीवन में उतारने की तत्परता नहीं होती, जो आत्मविकास में बड़ी रुकावट बनती है। उन्होंने कहा कि सद्गुरु वह होता है जो भक्त की चिंता न कर भगवान की आज्ञा का पालन करे।

उन्होंने समझाया कि राजा के घर से आहार ग्रहण करना राजपिंड कहलाता है। कोई भी वस्तु गुरु के सामने से ले जाना दोष की श्रेणी में आता है। इसे अभ्याहृत कहते हैं। नित्य एक घर से आहार ग्रहण करना नित्य पिंड कहलाता है। उच्च कुल से आहार ग्रहण करना कुलनिश्रा है। 50 लोगों से ज्यादा जहां भोजन बना है, वहां से आहार ग्रहण करना, वहां से बिना कारण आहार ग्रहण करना सखंडी कहलाता है।गोचरी भी अत्यंत विवेकपूर्वक होना चाहिए ताकि साधु की आचार-विरुद्ध कोई स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा, ऐसी सोच होनी चाहिए कि मेरे कारण साधु को आचार से गिरना न पड़े। विनय, विवेक और दूरदृष्टि को गुरु भक्ति का आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि जिनशासन में साधु और श्रावक की मर्यादाएं भिन्न हैं और इनका पालन ही सच्ची भक्ति है। उन्होंने सचित-अचित वस्तुओं का भेद, वनस्पति की हिंसा, विराधना से बचाव तथा जीवन की शुद्धि हेतु आलोचना को आवश्यक बताया। अंत में उन्होंने प्रेरणा दी कि जैन धर्म का सार विनय और विवेक से युक्त आचरण में है, और यही साधु-श्रावक दोनों के जीवन को उन्नत बनाता है। प्रवचन के दौरान पूनम कोठारी ने अड्डाई तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किया।

सकारात्मक सोच ही सुख, शांति और आनंद का आधार है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड़ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री कपिलमुनि जी ने मंगलवार को प्रवचन के दौरान कहा कि हमारे जीवन शब्द कोष का बहुत ही मूल्यवान शब्द है शांति और आनंद। अगर जीवन में ये नहीं है जीवन एक बोझ के सिवाय कुछ भी नहीं है। व्यक्ति के द्वारा अर्जित तमाम बाहरी उपलब्धियां जीवन के अंत में मजाक बन जाती हैं । व्यक्ति को शांति और आनंद की अनुभूति से वंचित करने में अहम भूमिका निभाने वाला घटक है अहंकार। अहंकार का नशा चढ़ने पर विवेक नष्ट हो जाता है विवेक की गैर मौजूदगी में करणीय अकरणीय कार्य का व्यक्ति भान भूल जाता है। अहंकार के नशे में चूर व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वह जो कर रहा है वह उचित है या अनुचित !धर्म ,न्याय और नीति के अनुरूप कर रहा है या धर्म विरुद्ध। अहंकार के रोग से ग्रसित व्यक्ति यही सोचता है कि मैं ही सही हूँ, श्रेष्ठ हूँ बाकी सब गलत हैं यही सोच जीवन के दुःख और संताप का मूल है। मुनि श्री ने कहा कि अच्छे- बुरे सज्जन-दुर्जन व्यक्ति की पहचान लेश्या की समझ से आसान हो जाती है। अशुभ लेश्या यानि कृष्ण, नील और कपोत लेश्या के लक्षणों से युक्त व्यक्ति दुष्ट और क्रूर प्रकृति का होता है ऐसे लोगों की संगति से परहेज करना चाहिए। शुभ लेश्या अर्थात तेजो,पद्म और शुक्ल लेश्या के लक्षणों से युक्त व्यक्ति भद्र परिणामी, सरलमना ,सज्जन धर्मात्मा और महात्मा की श्रेणी में आते हैं। इनकी संगति, सन्निधि लोगों के लिए वरदान तुल्य होती है। ऐसे लोगों के आभामंडल की रेंज में आते ही शांति, सन्तोष और आनंद की अनुभूति होने लगती है। सोच बेहतर और विचार पवित्र हो जाते हैं। सकारात्मक सोच ही सुख, शांति और आनन्द का आधार है। बेहतर सोच ही व्यक्तित्व में निखार लाती है जीवन का उद्धार और चेतना के परिष्कार में सशक्त माध्यम बनती है। संघ के अध्यक्ष अमरचंद छाजेड़ ने बताया कि श्रीरामपुरम संघ के अध्यक्ष ताराचंद गुगलिया के नेतृत्व में शांतिलाल खिंवसरा व अन्य सदस्यों ने गुरुदेव को बेंगलूरु पधारने का निवेदन किया। प्रवचन सभा का संचालन मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.